

ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज



आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

सच्ची खबर सबसे पहले

online- jwalaexpress.com

वर्ष - 05, अंक - 05

दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 02 अक्टूबर से 08 अक्टूबर 2022 (प्रत्येक गुरुवार)

पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर रायपुर में राज्य स्तरीय आयोजन

वृद्धजनों के सम्मान और कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री साय

बुजुर्गों की विशेष देखभाल के लिए राज्य में सियान गुड़ी

रायपुर, विलासपुर कोरबा और दुर्ग में पीपीपी मॉडल पर बनेंगे सर्वसुविधायुक्त वृद्धाश्रम

पुनर्वास उपकरणों की रिपेयरिंग के लिए रायपुर में शुरू होगा सर्विस सेंटर

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि वृद्धजन हमारे मार्गदर्शक और अमूल्य संस्कृति के वाहक हैं। वृद्धजनों की देखभाल सरकार और समाज दोनों की साझी जिम्मेदारी है। केन्द्र और राज्य सरकार वरिष्ठ नागरिकों के पेंशन, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानपूर्ण जीवन के लिए समर्पित योजनाओं को लगातार मजबूत बना रही हैं। मुख्यमंत्री आज राजधानी रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में स्थित कृषि मंडप में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के राज्य स्तरीय आयोजन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में वृद्धजनों को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया।

इस मौके पर उन्होंने बुजुर्गों की विशेष देखभाल के लिए राज्य में सियान गुड़ी, प्रदेश के चार बड़े शहरों रायपुर, बिलासपुर कोरबा और दुर्ग में पीपीपी मॉडल पर सर्वसुविधायुक्त वृद्धाश्रम बनाने और दिव्यांगजनों के सहायक उपकरणों के रिपेयरिंग के लिए राजधानी रायपुर में सर्विस सेंटर बनाने की घोषणा की। श्री साय ने नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत राज्यभर में जागरूकता हेतु 25 नशामुक्त रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी लोकगीत एवं नृत्य प्रस्तुति दी गई और स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वृद्धजन दिवस हमें अपने दायित्वों को याद दिलाने का अवसर है। मेरे गुरु ने मुझे सिखाया है कि माता-पिता की सेवा ही ईश्वर की पूजा है। मैंने अपने गुरु के संस्कार और आदर्शों का हमेशा पालन किया है। श्री साय ने कहा कि हम सभी को यह सच्चाई नहीं भूलनी चाहिए कि आज हमारे बुजुर्ग जिस अवस्था में हैं, कल हम सभी उसी अवस्था में होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय और अतिथियों ने जनता से अपील की कि वे वृद्धजनों का सम्मान करें और उन्हें सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करें,



ताकि उनका जीवन और अधिक सुरक्षित, सम्मानजनक और खुशहाल बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बुजुर्गों के लिए संचालित पेंशन योजनाओं में 14 लाख से बुजुर्ग लाभान्वित हो रहे हैं। आयुष्मान भारत और शहीद वीर नारायण सिंह स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत अब तक 8 लाख से अधिक बुजुर्गों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा दी गई

है। मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना और श्री रामलला दर्शन योजना से 50 हजार से अधिक बुजुर्ग लाभान्वित हुए हैं। समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रदेश के 35 वृद्धाश्रमों में 1049 वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल की जा रही है तथा 6 जिलों में प्रशामक देखरेख गृह संचालित हैं। विभागीय हेलपलाइन के माध्यम से अब तक 54 हजार से



अधिक वरिष्ठजनों को समस्याओं का समाधान किया गया है। इस अवसर पर मंत्री टंकराम वर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक राजेश मृगत, मोतीलाल साहू, इन्द्र कुमार साहू, अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त विकास निगम अध्यक्ष लोकेश कावड़िया सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

पर्यटन साथी पहल : जिला प्रशासन रायपुर और इज माय ट्रिप के बीच एमओयू कार्यक्रम में पर्यटन साथी पहल के लिए ईजू माई ट्रिप और जिला प्रशासन के मध्य एमओयू हुआ। मुख्यमंत्री ने इस विशेष पहल के लिए जिला प्रशासन की टीम को बधाई दी और कहा कि युवाओं के लिए रोजगार नए अवसर खुलेंगे और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

सियान वो छांव हैं, जिसमें परिवार सुरक्षित रहता है- स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर मंत्री यादव ने वरिष्ठजनों को किया सम्मानित

दुर्ग। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर वरिष्ठजन सम्मान समारोह का आयोजन आज नगर के स्वामी विवेकानंद साभागार में किया गया। मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने वरिष्ठजनों को शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया।

मंत्री श्री यादव ने सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि जो जीवन है वह अमूल्य है। घर में संस्कार देने का कार्य अगर कोई करता है, तो वह हमारे सियान (बुजुर्ग) करते हैं। वे ही घर की छांव हैं, जिनके साये में परिवार सुरक्षित रहता है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर माता-पिता, भाई-बहन, बच्चों और नौकरी की जिम्मेदारियों में इतना उलझ जाते



हैं। ऐसे में बुजुर्गों के साथ समय बिताना, उनकी बात सुनना और उन्हें सम्मान देना, सबसे बड़ा संस्कार भूल जाते हैं। मंत्री श्री यादव ने कहा कि जब भी वरिष्ठजनों के केंद्रों की जरूरत सामने आएगी, वहां हर संभव आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा जिंदगी

जिंदगिली का दूसरा नाम है, इसे हमेशा मुस्कुराते हुए जीना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने प्रेरणादायक गीत- 'छईया भुईया ला छोड़ जवैया, तैं थिरावे कहीं रे। पंछी उड़थे अगास, करथे बिरछा हमार', का गायन कर उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर

दिया। इस अवसर पर मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने वरिष्ठ विधायक श्री डोमनलाल कोसैवाड़ा को भी शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

विधायक श्री कोसैवाड़ा ने कहा कि सियान (वृद्धजनों) का अनुभव और उनके दिए हुए संस्कार ही आने वाली पीढ़ियों के

मार्गदर्शक हैं। आज राज्य प्रगति की राह पर अग्रसर हैं, ऐसे समय में बुजुर्गों की बची हुई उम्र को समाज सेवा जैसे पुण्य कार्यों में लगाना चाहिए। इससे न केवल समाज को लाभ मिलेगा, बल्कि बुजुर्गों का समय भी सार्थकता के साथ व्यतीत होगा। हमारी संस्कृति, हमारी भाषा और हमारी बोली को जीवित रखना हमारी जिम्मेदारी है। यही हमारी पहचान है और इसे हमें सहेजकर अगली पीढ़ियों तक पहुंचाना है।

विधायक श्री ललित चंद्राकर ने कहा कि बुजुर्गों का आशीर्वाद जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति है। भारत की संस्कृति और सभ्यता का मूल आधार ही बड़ों का सम्मान करना है। बुजुर्गों के अनुभव और जीवन के त्याग से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है, जो हमारे व्यक्तित्व और सामाजिक जीवन को दिशा देता है। जब हमें वरिष्ठों का आशीर्वाद मिलता है, तब कोई

भी कार्य बड़ा या कठिन नहीं लगता। वरिष्ठजनों से सीखी बातें अगर हम अपने जीवन में आत्मसात कर लें, तो हमारा जीवन सफल और संस्कारपूर्ण बन सकता है।

क्लेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने कहा कि वृद्धावस्था एक ऐसा समय होता है जब व्यक्ति चिंता मुक्त होकर जीवन जी सकता है, ठीक वैसे ही जैसे बाल्यावस्था में कोई तनाव नहीं होता। वरिष्ठ नागरिकों के योगदान को सराहते हुए कहा कि सभी वरिष्ठजनों ने अपने जीवन में समाज के उत्थान और मार्गदर्शन के लिए कार्य किया है। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक श्री ए.पी.गौतम एवं विभागीय अधिकारीगण तथा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कुलेश्वरी देवांगन, गिया साहू व अन्य जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठजन (बुजुर्ग) उपस्थित थे।

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने खेल मैदान में सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश



रायपुर। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आज सुबह राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने दलल शिवनी, रायपुर स्थित खेल मैदान एवं मिलन चौक परिसर में स्वयं सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया।

राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने झाड़ू लगाकर मैदान व आसपास की गंदगी साफकी और लोगों से अपील की कि सभी नागरिक स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी से जुड़ा अभियान है। जब हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझेगा तभी स्वच्छ भारत का सपना साकार होगा।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, युवा और स्वयंसेवी संगठन भी शामिल हुए और सामूहिक रूप से सफाई अभियान में हिस्सा लिया। मंत्री श्री वर्मा ने सभी को नियमित रूप से अपने आसपास सफाई बनाए रखने का संकल्प दिलाया।

कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन के आतिथ्य में वृद्धजनों का सम्मान समारोह हुआ आयोजित

माता-पिता तुल्य वृद्धजनों का सम्मान करना बड़े गर्व की बात- मंत्री लखनलाल देवांगन

कोरबा। वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री छत्तीसगढ़ शासन लखन लाल देवांगन के मुख्य अतिथ्य में कलेक्ट्रेट कोरबा के प्रथम तल में निर्मित ऑडोरेयरियम में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कार्यक्रम में वरिष्ठजनों एवं वृद्धजनों को शॉल श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि माता-पिता तुल्य वृद्धजनों का सम्मान करना गर्व की बात है। वृद्धजन हमारे मार्गदर्शक एवं अमूल्य संस्कृति के धरोहर हैं। इनका देखभाल सरकार और समाज दोनों की ही जिम्मेदारी है। वृद्धजनों की सुविधा के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि वृद्धजनों का सम्मान सेवा पखवाड़ा का बड़ा कदम है। सरकार द्वारा वृद्धजनों हेतु अनेक



लाभकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। साथ ही जिले में उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए अनेक कल्याणकारी कार्य किए गए हैं। डीएमएफ से वृद्धाश्रम का संचालन किया जा रहा है। नगर में एक नए सियान सदन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। बाल्को, शारदा विहार में निर्मित सियान सदन में वातानुकूलित एसी, मनोरंजन एवं अन्य सुविधा भी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत 2047 की संकल्पना को पूरा करने का कार्य छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार कर रही है। राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य सहित विकास के हर क्षेत्र को आगे बढ़ाने

का सतत प्रयास जारी है। जीएसटी रिफॉर्म से आमजनों को राहत पहुंचाया गया है। श्री देवांगन ने बताया कि जिले में डीएमएफ से जिले के सभी प्राइमरी एवं मिडिल स्कूलों में सबरे पौष्टिक नास्ता वितरण किया जा रहा है, शिक्षकों की आवश्यकता वाले शालाओं में मानदेय शिक्षकों की नियुक्ति, पहाड़ी कोरवा व बिरहोर वर्ग के शिक्षित युवाओं को अतिथि शिक्षक व भृत्य के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई है। अनेक स्थानों में नए शाला भवन, आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण की स्वीकृति दी गई है एवं मेधावी छात्रों को नीट जेई की निःशुल्क तैयारी की व्यवस्था भी डीएमएफ से की गई है।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दिखा बलरामपुर की बच्चियों का हुनर

निहारिका ने मूर्तिकला में बाजी मारी, प्रतिभा ने लोकल क्राफ्ट में हासिल किया द्वितीय स्थान

रायपुर। जगदलपुर में आयोजित इस महोत्सव में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शंकरगढ़ की छात्राओं ने अपनी मेहनत, लगन और सृजनशीलता से नया मुकाम हासिल किया छ बलरामपुर-रामानुजगंज जिले की बेटियों ने राज्य स्तरीय कल्चरल एंड लिटरेसी फेस्ट (कला उत्सव, समृद्धि और उद्भव 2025) में अपने हुनर का ऐसा प्रदर्शन किया कि पूरा जिला गौरवान्वित हो उठा। मिट्टी से अद्भुत कलाकृतियां



गढ़ने वाली निहारिका नाग ने मूर्तिकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का मान बढ़ाया। बचपन से ही कला में गहरी रुचि रखने वाली निहारिका बताती हैं कि जब दूसरे बच्चे खेलों में व्यस्त रहते थे, तब वे मिट्टी और लकड़ी से छोटे-छोटे खिलौने और प्रतिमाएँ बनाने में रम जाती थीं। शिक्षकों के मार्गदर्शन और निरंतर अभ्यास ने उनकी इस रुचि को कला के उच्च आयाम तक पहुंचाया।

वहीं, प्रतिभा ने लोकल क्राफ्ट प्रतियोगिता में परंपरा और आधुनिकता का संगम प्रस्तुत कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने ग्रामीण जीवन, लोक संस्कृति और काष्ठकला को अपने अनूठे अंदाज में प्रदर्शित किया।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से मिल रही नई रौशनी

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में बढ़ रही है सौर ऊर्जा की पहुंच

रायपुर। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिला अब ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत जिले में घर की छतों पर सोलर पैनल लगाने का कार्य प्रारंभ हो चुका है। योजना के अनुसार लाभार्थियों को 1 किलोवाट सिस्टम पर ₹45,000, 2 किलोवाट सिस्टम पर ₹90,000 और 3 किलोवाट अथवा उससे अधिक क्षमता पर ₹1,08,000 तक की सब्सिडी सीधे बैंक खाते में प्रदान की जा रही है। इस योजना का फायदा उठाकर उपभोक्ता अपने बिजली खर्च में बड़ी बचत कर रहे हैं। खैरागढ़ शहर के गोलबाजार निवासी श्री प्रेमचंद जैन ने अपने घर में 9 किलोवाट का सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाया है। उनका कहना है कि सोलर ऊर्जा से उनके बिजली बिल में लगभग 80 प्रतिशत की कमी आई है और अब मासिक बिल केवल ₹800 के



करीब रह गया है। सेवा पूर्व के अवसर पर जिले के विभिन्न ग्रामों डामरी, अतरिया, कुमिह, आमगांव, अमलीडीहकला, साल्हेवारा, खमतराई, लिमो, खम्हारडीह, मुद्दीपार, कामठा समेत अन्य गांवों में सेवा शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में

जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में ग्रामीणों को योजना की जानकारी दी गई तथा प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना न केवल आमजन को बिजली बिल से राहत दे रही है, बल्कि जिले को स्वच्छ ऊर्जा, रोजगार और आर्थिक बचत की दिशा में भी सशक्त बना रही है।

ब्रेकिंग न्यूज

जेल में निरुद्ध बंदियों के आयु सत्यापन हेतु विशेषज्ञ समिति द्वारा उपजेल बलौदाबाजार का किया गया निरीक्षण



भाटापारा। दस्तावेजों के अभाव व अन्य किसी कारण से जेल में 18 वर्ष से कम आयु के बालकों के निरुद्ध होने की संभावना को दृष्टिगत करते हुए वर्ष 2025-26 के द्वितीय त्रैमास के लिए उपजेल बलौदाबाजार का विशेषज्ञ समिति के सदस्यों के द्वारा निरीक्षण किया गया। विशेषज्ञ समिति के सदस्यों के द्वारा 18 से 21 वर्ष आयुवर्ग के निरुद्धों हेतु निर्धारित बैरक में जाकर प्रथम दृष्टया में 18 वर्ष से कम आयु के दिख रहे बालकों से उनकी आयु के संबंध में पूछताछ की गई। एक बालक के द्वारा अपनी आयु 18 वर्ष से कम बताया गई। समिति के सदस्यों के द्वारा बालक के आयु संबंधित दस्तावेजों का अतिश्रीघ्न सत्यापन कर आयु 18 वर्ष से कम होने पर बालक के प्रकरण को किशोर न्याय बोर्ड में स्थानांतरित कराए जाने का आग्रह जेल निरीक्षक से किया गया। निरीक्षण के दौरान किशोर न्याय बोर्ड बलौदाबाजार के सामाजिक कार्यकर्ता प्रवीण अग्रवाल, जिला बाल संरक्षण अधिकारी प्रकाश दास, विधिक सह परिवीक्षा अधिकारी मेघा शर्मा एवं सामाजिक कार्यकर्ता टुकेश्वर जगत उपस्थित रहे।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने दी दुर्गा नवमी की शुभकामनायें, हवन पूजन में शामिल हुए

दुर्ग। चैत्र नवरात्रि के नवमी पर शहर विधायक और कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव विभिन्न दुर्गा पंडाल पहुँचें और हवन पूजन में आहुति डालकर शहरवासियों के सुख समृद्धि की कामना किये। इस दौरान खीर पूड़ी और खिचड़ी के भोग भंडारा में हाथ भी बंटये। शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा की समस्त देवी शक्ति का स्वरूप होती है। नौ दिन हम सभी ने माता की भक्ति की है, उसका आशीर्वाद मिलेगा। नवरात्रि के पावन पर्व में उन्होंने गंजपारा, सतीचौरा, भोईपारा, गाँधी चौक, ढीमपपारा, ग्रीन चौक, संगम चौक उरला, विराट नगर बोरसी सहित दुर्गा विधानसभा के विभिन्न क्षेत्र में विराजित माँ दुर्गा की प्रतिमा के दर्शन कर झाँकी देखने निकले नागरिकों अभिवादन कर शक्ति और भक्ति के महापर्व नवरात्रि की शुभकामनायें दिए।

नवमी पर मंत्री श्री यादव माता की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिए और प्रदेशवासियो की उन्नति प्रगति के लिए कामना किये। इस दौरान मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं का अभिवादन कर धर्म आस्था के महापर्व नवरात्रि की शुभकामनायें दिए। इसके पूर्व महाअष्टमी की संख्या पर दुर्ग शहर के विभिन्न पंडालों में विराजमान माँ दुर्गा की भव्य प्रतिमाओं के दर्शन कर माता के चरणों में शीश नवाये। उन्होंने कहा की नवरात्रि के अवसर पर शहर में सजे पंडालों की छटा, भक्तिमय वातावरण और पारंपरिक सांस्कृतिक उत्सव हमारी सनातन परंपरा को दर्शाता है। माँ दुर्गा से समस्त जमानास के सुख-समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना करता हूँ। शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने शहर के समस्त दुर्गा उत्सव समितियों से अपील किये है की विराजित माता की प्रतिमा का निर्धारित समय में विसर्जन करें। प्रतिमा विसर्जन स्थल पर पुलिस विभाग को सुरक्षा व्यवस्था तथा निगम प्रशासन को पार्किंग, लाइट्स व अन्य जरूरी व्यवस्था करने कहा है, ताकी किसी प्रकार की समस्या न हो।

हुडको मंगल बाजार में निगम आयुक्त किए श्रमदान



भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई जोन क्रमांक 05 अंतर्गत हुडको में स्वच्छता शपथ, श्रमदान, उद्यान सहित पाइप लाईन लिकेज का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया।

निगम आयुक्त ने रजत जयंती एवं स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 अंतर्गत हुडको स्थित मौल बाजार में जन जागरूकता लाने श्रमदान किया गया। निगम आयुक्त, महापौर परिषद सदस्य सीजू एंथोनी, कार्यपालन अभियंता अनिल सिंह सहित अधिकारियों, समाजसेवियों एवं स्थानीय नागरिको की उपस्थिति में श्रमदान कर स्वच्छता शपथ लिये। सभी उपस्थित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा उत्साहपूर्ण श्रमदान किया गया है। सभी पूरे वर्ष भर शहर की स्वच्छता के लिए काम करने का संकल्प लिए हैं। इस तरह श्रमदान से हमारा मोहल्ला, सार्वजनिक स्थल, उद्यान, शासकीय संस्था एवं पूरा संपूर्ण शहर स्वच्छ होगा। हम सभी शहर वासियों गंदगी करने वाले नागरिकों को सच्चे मन से रोकना है और टोकना है, जिससे हमारा शहर स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरणीय रोामुक्त हो सके। आयुक्त के निर्देशानुसार डी.पी.एस. स्कूल में स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत स्कूल के शिक्षक/शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में जनभागीदारी से जोड़ने के लिए स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली द्वारा संबोधित किया गया। कहा गया कि स्वच्छता अपने घरों से शुरू कर गली, मोहल्ले एवं सार्वजनिक स्थलों में सहयोग दें। जिससे शहर की स्वच्छता को बनाए रखा जा सके। निगम आयुक्त हुडको स्थित भारत माता उद्यान का निरीक्षण कर पेड़ो के छाटई एवं घास सफाई कराने उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू को निर्देश दिए हैं।

उप मुयमंत्री अरुण साव ने किया 19.60 करोड़ की पेयजल आपूर्ति कार्यों का भूमिपूजन

‘दीक्षा नगर और आसपास के रहवासियों की वर्षों पुरानी पानी की समस्या का होगा समाधान’

■ दीक्षा नगर सहित 13 बस्तियों के एक हजार घरों तक पहुंचेगा नल कनेक्शन

रायपुर। रायपुर शहर के दीक्षा नगर एवं आसपास की 13 बस्तियों की वर्षों पुरानी पानी की समस्या जल्द ही ठीक हो जाएगी। उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने आज राजधानी रायपुर के ठक्कर बापा वाई अंतर्गत दीक्षा नगर स्थित गीतांजलि सोसायटी (उद्यान) में 19 करोड़ 60 लाख 74 हजार रुपए की लागत से बनने वाली पेयजल आपूर्ति परियोजना का भूमिपूजन किया।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने भूमिपूजन कार्यक्रम को सम्बोधित

करते हुए कहा कि सरकार की प्राथमिकता हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुँचाना है। आज हुए भूमिपूजन वाले विकास कार्य के पूर्ण होने से दीक्षा नगर और आसपास के क्षेत्रों की वर्षों पुरानी पानी की समस्या का स्थायी समाधान बनेगी। दीक्षा ने कहा कि पिछले 20 महीने में 462 करोड़ रुपए विकास की राशि मिली है। यह केवल एक नगरीय निकाय से स्वीकृत हुआ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की एक-एक गारंटी को पूरा करते जा रहे हैं। नगरीय निकाय के विकास के लिए पैसों की कोई कमी नहीं आएगी। लोक निर्माण विभाग से कई सौ करोड़ के विकास कार्य हो रहे हैं। सभी विकास के कार्य जनता की मांग अनुसार कराए जा रहे हैं। उप



मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि रायपुर नगर निगम के विकास के लिए जो भी प्रस्ताव आयेगा, उसके लिए सभी वार्डों को 50-50 लाख रुपए दिए जाएंगे।

सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि विकास कार्यों की नई शुरुआत हो रही है। आज पानी टंकी

का भूमि पूजन हुआ और दो साल में सबके घर स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। सड़कों का विकास तेजी से हो रहा है, चौड़े-चौड़े सड़क बन रहे हैं। आज बाहर के लोग कहते हैं रायपुर की पहचान और तस्वीर बदल गई है। श्री अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के

सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि विकास कार्यों की नई शुरुआत हो रही है। आज पानी टंकी

नशीली दवाओं के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। जिले की थाना पद्मानभपुर पुलिस ने ऑपरेशन विश्वास के अंतर्गत नशे के विरुद्ध लगातार कार्यवाही करते हुए नशीली दवाओं के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले में इसके पूर्व पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

बता दें कि दिनांक 16 सितंबर के मामले में पद्मानभपुर थाने में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अपराध दर्ज कर विवेचना की जा रही है। जिसमें आरोपी के कब्जे से 07 नग सफेद प्लास्टिक की बोरियों में नशीली दवाई बरामद किया गया था। आरोपी वैभव खण्डेलवाल को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश कर रिमांड में जेल भेजा गया है। उक्त प्रकरण में आरोपी वैभव खण्डेलवाल एवं कुणाल यादव के द्वारा मेमोरेण्डम कथन में बताए गए रिमांड खान और नगर उरला के पतासाजी हेतु रवाना हुए थे। मुखबीर से सूचना मिला कि फरदीन खान उरला में देखा गया है। सूचना तत्दीक हेतु ग्वाहा साथ लेकर हमराह स्टॉफ के घेराबंदी कर मुखबीर के बताए स्थान पर उक्त आरोपी को पकड़ा गया। पुछने पर बताया कि वह वैभव खण्डेलवाल से नशे की टैबलेट खरीदा था। उक्त अपराध धारा की घटना के संबंध में अवगत करारक एनडीपीएस एक्ट के तहत ग्वाहों के समक्ष गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध पद्मानभपुर थाना में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही की जा रही है। आरोपी को आज गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया।

पत्रकार कल्याण महासंघ के तत्वावधान में बसना में नवरात्रि मिलन व सम्मान समारोह



बसना। पत्रकार कल्याण महासंघ छत्तीसगढ़ इकाई बसना के तत्वावधान में नगर के हृदय स्थल श्री राम जानकी मंदिर परिसर में नवरात्रि मिलन एवं पत्रकार सम्मान समारोह का गरिमायय आयोजन किया गया। यह अवसर पत्रकारों की एकता, आपसी सौहार्द और संगठन की मजबूती का प्रतीक बन गया। कार्यक्रम का संचालन उत्साह और गरिमा के साथ पत्रकार कल्याण महासंघ के जिला महासचिव अभय धृतलहरे के द्वारा किया गया। जिसमें नगर सहित आसपास क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पत्रकारगण, बुद्धिजीवी एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रामजानकी मंदिर समिति बसना के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल, अध्यक्षता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सेवक दास दीवान ने की। रमेश अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में पत्रकारों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि पत्रकार समाज का दर्पण होते हैं। वे न केवल सूचनाओं का संचार करते हैं, बल्कि समाज को दिशा देने का काम भी करते हैं। पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा करना संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पत्रकार कल्याण महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सेवकदास दीवान ने कहा कि

पत्रकार आज अनेक चुनौतियों के बीच कार्य कर रहे हैं। ऐसे में संगठनात्मक एकजुटता और पारस्परिक सहयोग ही हमारी शक्ति है। प्रदेश अध्यक्ष ने निकट भविष्य में कवि सम्मेलन आयोजित करने की घोषणा की और कहा कि यह सम्मेलन न केवल साहित्यिक अभिरुचि को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि पत्रकार समाज को नई ऊर्जा और रचनात्मक सोच से जोड़ने का भी कार्य करेगा। इस अवसर पर श्रीराम जानकी मंदिर परिवार की ओर से पत्रकारों का पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने पत्रकारों को फूलमालाओं से अलंकृत कर सम्मानित किया। सम्मान पाकर पत्रकारों ने इसे अपने कर्तव्यनिष्ठा और समाजसेवा का प्रेरक क्षण बताया।

समारोह में मंचासीन अतिथियों में श्रीराम जानकी मंदिर के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल, महासंघ के प्रदेश सचिव ऋषिकेशन दास, मंदिर समिति के कार्यकारी अध्यक्ष अशोक जोशी, प्जिरदेश अध्यक्ष आल के दास,जिला महासचिव अभय धृतलहरे, जिला उपाध्यक्ष इब्राहिम कादरी, वरिष्ठ पत्रकार देशराज दास,बसना कार्यकारी अध्यक्ष अरुण साहू, ब्लॉक सचिव बसंत लाल साहू, मीडिया प्रभारी दीपक जगत, कोषाध्यक्ष

कुंज राम यादव, प्रेम सिंह पोतें, हेमंत टांडी, ब्लॉक उपाध्यक्ष गोवर्धन नंदे, जीत यादव, फ़िरोज खान एवं हेमसागर साव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभा में उपस्थित सभी पत्रकारों ने संगठन की गतिविधियों को गति देने, पत्रकार हितों की रक्षा करने और एक-दूसरे के साथ सहयोग की भावना को और मजबूत करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है। पत्रकारों का कलम ही लोकतंत्र की सच्ची ताकत है। समारोह में अनेक वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए यह भी कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारों को कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में संगठन की मजबूती और परस्पर सहयोग ही उन्हें इन चुनौतियों से पार ले जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन करते हुए महासंघ के जिला सचिव आर के दास ने सभी उपस्थित पत्रकार साथियों, आमंत्रित अतिथियों एवं श्रीराम जानकी मंदिर परिवार का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में पत्रकार कल्याण महासंघ बसना और आसपास क्षेत्र के पत्रकारों के लिए एक मजबूत स्तंभ बनेगा।

रिंग रोड मांक-2 में जरवाय, हीरापुर और सरोरा चौक पर बनेंगे तीन ओव्हरपास

उप मुख्यमंत्री अरुण साव 117 करोड़ से अधिक की लागत के तीन वृहद पुलों का किया शिलान्यास

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने आज राजधानी रायपुर के रिंग रोड क्रमांक-2, हीरापुर चौक (गनपत चौक) में 117 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बनने वाले तीन वृहद पुलों का शिलान्यास किया।

शिलान्यास कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने प्रदेशवासियों को नवरात्र पर्व और विजयदशमी की बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार अटल निर्माण वर्ष मना रही है। हमने बनाया है हम ही सवारों इस संकल्प के साथ लगातार प्रदेशवासियों के हित में जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर ला रहे हैं और राजधानी रायपुर को संवारेना का काम लगातार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश को



विकसित देश बनाने की दिशा में जीएसटी रिफॉर्म संबंधी ऐतिहासिक फैसला लिया है। यह देश की पहली योजना है जो देश के 140 करोड़ जनता को छोटे से छोटे समान जैसे - साबुन, बिस्कुट से लेकर कार, कंप्यूटर सहित सभी समानों की खरीदी पर एक समान में बचत होने वाली है। जीएसटी बचत उत्सव नवरात्रि के पहले दिन से प्राारंभ हुआ है जिसका प्रत्यक्ष लाभ देश की जनता को

मिलेगा। यह भारत को विकसित बनाने की दिशा में एक इतिहास रचा है। कार्यक्रम को सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने सम्बोधित करते हुए कहा कि विष्णु देव साय लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि रायपुर शहर को मोतोलाल साहू और महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने भी

हैं। विधायक श्री राजेश मूणत ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय गरीब परिवारों की चिंता करने वाली सरकार है। राजधानी वासियों को उनकी मूलभूत सुविधाओं के लिए बनाई गई सभी योजनाओं के हम तय सीमा में पूरा करवाएंगे। इस ओव्हर पास सड़क निर्माण से लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम को विधायक श्री मोतीलाल साहू और महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने भी

सम्बोधित किया। इस अवसर पर विधायक सर्वश्री सुनील सोनी, पुरन्दर मिश्रा, नगर निगम सभापति श्री सूर्यकांत राठौर वार्ड पार्षद श्रीमती रामहिन कुर्रे तथा विभिन्न वार्डों के पार्षदगण एवं श्री रमेश सिंह ठाकुर, नगर निगम आयुक्त सहित विभिन्न वार्डों के पार्षदगण, स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। विभाग द्वारा रायपुर में रिंग रोड क्रमांक-2 पर तीन ओव्हरपास बनाए जाएंगे। जिसके अंतर्गत जरवाय मार्ग में बंगाली होटल के पास 23 करोड़ 89 लाख 49 हजार रुपए की लागत से, हीरापुर चौक में 49 करोड़ 40 लाख दस हजार रुपए तथा सरोरा चौक पर रिलायंस पेट्रोल पंप के पास 43 करोड़ 76 लाख 48 हजार रुपए की लागत से तीन ओव्हर पास निर्माण किया जाएगा।

किसान पंजीयन और गिरदावरी की सूची ग्राम पंचायतों में वसपा करें:- कलेक्टर



कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समय सीमा की बैठक

महासमुंद। महासमुंद कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज सुबह 10 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभागीय योजनाओं, विभागवार लंबित मामलों एवं कार्यक्रमों की गहन समीक्षा की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर श्री सचिन भूतड़ा एवं रवि कुमार साहू, अनुविभागीय अधिकारी, सभी विभाग के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। वीसी के माध्यम से जनपद सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ सहित सभी ब्लॉक स्तरीय संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि अगस्त माह का जीएसटी आज ही जमा किया जाए। सभी विभागों के जीएसटी रिटर्न जमा नहीं किए गए हैं, वे तत्काल जमा करें। साथ ही उन्होंने कहा कि हर महीने की 10 तारीख के पूर्व जीएसटी जमा करना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री की घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने गढ़कुलझर, खल्लारी में किए गए घोषणाओं के अनुरूप कार्यों में

प्रगति लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि ई-ऑफिस के अंतर्गत प्रत्येक सप्ताह मूव किए गए पड़लों की स्थिति अपडेट की जाए तथा ई-ऑफिस के अंतर्गत ही पत्राचार व्यवहार में लाई जाए। कलेक्टर ने बताया कि जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 2 से 14 अक्टूबर तक ग्राम सभाओं का आयोजन होगा। इनमें एग्रीस्टिक पंजीयन, डिजिटल क्रॉप सर्वे तथा मैनुअल गिरदावरी की सूची अनिवार्य रूप से चप्पा कर पठन कराया जाए। यदि कोई दावा-आपत्ति मिलती है तो उसका पुनः पीवीआर ऐप से सत्यापन कर आवश्यक संशोधन किया जाएगा। इसके लिए सभी जनपद पंचायत सीईओ को निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने आदि कर्मयोगी अभियान की समीक्षा में कहा कि सभी विकासखंड एवं ग्राम नोडल अधिकारी प्रत्येक कार्या का विलेज एक्शन प्लान अपलोड करें। 2 अक्टूबर को विशेष ग्राम सभाओं में इन एक्शन प्लानों का अनुमोदन कराया जाएगा। प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत शेष आवासों को पूर्ण करने निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि आवास का कार्य प्रतिदिन प्रगतिरत रहे।

एसएसपी ने पुलिस टीम को दी शाबाशी, नशे के सौदागरों को भेजा जेल

बिलासपुर। बिलासपुर के सौदागरों, तस्कर और ड्रग पैडलर के खिलाफ एसएसपी रजनीश ने बड़ा अभियान छेड़ दिया है। सर्पितियों को फ्रीज करने से लेकर तस्करों को जेल भेजने का काम किया जा रहा है। **NDPS** एक्ट के तहत विशेष कोर्ट ने आरोपियों को कठोर दंड से दंडित किया है। अभियान को गंभीरता से चलाने वाले पुलिस अफसरों व कर्मचारियों को एसएसपी ने सम्मानित किया है। छत्तीसगढ़ में इस तरह का पहला अभियान है जिसमे एसएसपी ने मातहत अफसरों का हौसला बढ़ाते हुए थाने पहुंचकर शाबाशी दी और सम्मानित किया है। बिलासपुर जिले में नशे के कारोबार से जुड़े आरोपियों को दंडित कराने वाले अधिकारी,कर्मचारियों को सम्मानित किया गया. नशा बेचने वाले कुल 10 आरोपीगण कठोर कारावास से हुए दंडित नशा बेचने वाले कुल 10 आरोपियों को स्पेशल कोर्ट ने कठोर कारावास से दंडित किया है।

इसी कड़ी में बिलासपुर जिले के स्क्करजनेश सिंह ने हथ्क्ष एनडीपीएस एक्ट के उत्कृष्ट विवेचकों को सम्मानित किया है. उपनिरीक्षक अमृत साहू, उपनिरीक्षक अवधेश सिंह, सहायक उपनिरीक्षक चन्द्रकांत डहरिया, सहायक उपनिरीक्षक राजेशधर दीवान, आरक्षक मनोज साहू एवं आरक्षक बृजनंदन साहू को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजनेश सिंह, बिलासपुर ने थाना सिविल लाइन में स्वयं उपस्थित होकर प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया।



ब्रेकिंग न्यूज

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दी सीगात

घोषणा अनुरूप मिली मंजूरी

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। मुख्यमंत्री ने जिलेवासियों को एक और बड़ी सीगात दी है। उनकी घोषणा अनुरूप जिले के बागबहार में विश्राम गृह भवन के निर्माण कार्य के लिए स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। 1 करोड़ 65 लाख रुपए की राशि इस कार्य हेतु मंजूरी मिली है, जिसका निविदा प्रक्रिया पूर्ण होते ही निर्माण कार्य जल्द शुरू की जाएगी।

गौरतलब है कि जिले के फरसाबहार में भी विश्राम गृह निर्माण के लिए 1 करोड़ 72 लाख रुपए मंजूरी मिल चुकी है। बागबहार क्षेत्र में लंबे समय से विश्राम गृह की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, अब इस भवन के निर्माण से न केवल आम नागरिकों को सुविधा मिलेगी,बल्कि विभिन्न सकाराी-अर्थसंरकारी कार्यक्रमों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बाहर से आने वाले मेहमानों के ठहरने की भी उत्तम व्यवस्था उपलब्ध हो सकेगी। लगातार सड़कों, पुल-पुलियों, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और जनसुविधाओं से जुड़ी योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। इसी कड़ी में बागबहार को यह सीगात मिली है, जो आने वाले समय में क्षेत्र के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी।ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बागबहार में विश्राम गृह बनने से क्षेत्र का गौरव बढ़ेगा और स्थानीय लोगों को लंबे समय से चली आ रही सुविधा की कमी पूरी होगी।

यह उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा की गई घोषणाओं पर तत्काल अमल हो रहा है। यही कारण है कि जिले में एक के बाद एक विकास कार्यों को मंजूरी मिल रही है और आमजन सीधे तौर पर इसका लाभ मिल रहा है।

बेटों ने की सौतेले पिता की हत्या

दुर्ग। जिले की नंदिनी थाना क्षेत्र में दो बेटों ने मिलकर अपने सौतेले पिता की फावड़ा व डंडे से मारकर उसकी हत्या कर दी। दोनों बेटे सौतेले पिता द्वारा शराब पीकर मां के साथ विवाद तथा मारपीट करने की बात से नाराज थे। पुलिस ने पिता की हत्या करने वाले दोनों बेटों को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 30.09.2025 की संध्या को प्रार्थी अरूण कुमार बंजारे के पड़ोस में रहने वाले इसके बड़े पिता की पुत्री मीरावती के घर से झगड़ा लड़ाई एवं रोने की आवाज सुनकर प्रार्थी मीरावती के घर जाकर देखा तो मीरावती का पति बलविन्दर सिंग खून से लथपथ पड़ा हुआ था, उसके सिर, चेहरे में चोट थी, खून निकल रहा था। मीरावती से पूछने पर उसने बताया कि उसका पति शराब पीकर घर आया और उसके साथ गाली-गलौज कर मारपीट कर रहा था जिसे देखकर उसके पुत्र त्रिलोचन कोसरे उम्र 22 वर्ष व भूपेश कोसरे उम्र 20 वर्ष के द्वारा बलविन्दर सिंग के साथ मारपीट किया गया। इसी दौरान त्रिलोचन कोसरे ने आंगन में रखे राख (फावड़ा) से एवं भूपेश कोसरे ने डण्डे से बलविन्दर सिंग पर वार कर दिया। जिससे बलविन्दर सिंग के सिर व चेहरे में गंभीर चोट आई और बलविन्दर सिंग की मृत्यु हो गई। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना नंदिनी नगर में थारा 103 (1), 3(5) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। घटना के आरोपी त्रिलोचन कोसरे व भूपेश कोसरे को गिरफ्तार कर पूछताछ करने पर हत्या करना स्वीकार किया। आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त फावड़ा एवं डण्डा को विधिवत् जप्त कर आरोपियों को रिमाण्ड पर भेजा गया है।

उत्कृष्ट छत्र छात्राओं का किया गया सम्मान

रायपुर। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम वार्ड के दसवीं, बारहवीं मे मैरिड एवं प्रथम श्रेणी मे उत्तीर्ण होने वाले छात्र –छात्राओं को सशक्त देकर सम्मानित किया गया। मंगलवार को मैरिट एवं प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान वार्ड न. 19 के स्वतंत्र छाया पार्षद हुआ. विकास पाठक द्वारा किया गया। डॉ. विकास पाठक ने कहा की ये छात्र-छात्राएं अपने देश का भविष्य हैं। जब छात्र अपनी मेहनत और लगन की बदौलत अच्छा नंबर लाते हैं तो ना सिर्फ़ उनके परिवार का बल्कि छात्रों की इस प्रतिभा से घरवालों के समाज और क्षेत्रवासियों को भी खुशी होती है। इसलिए बच्चों की छुपी हुई प्रतिभा को निखारने के लिए हमारा भी फर्ज है की हम ऐसे बच्चो का सम्मान करें जिससे उन्हें और दुसरो बच्चो को भी खुशी हो उनका उत्साह वर्धन किये जाय। इस मौके पर मैरिट एवं प्रथम श्रेणी मे उत्तीर्ण होने वाले छात्राओं को प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गया। श्री पाठक ने कहा कि समाज के मेधावी और होनहार हर जरूरतमंद बच्चे की मदद की जाएगी। मौके पर काफी संख्या में बच्चे अभिभावक एवं स्थानीय लोग मौजूद थे।

प्रोजेक्ट सुरक्षा के तहत शासकीय कर्मचारियों को मिला जीवनरक्षक प्रशिक्षण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशन में जिला प्रशासन रायपुर एवं रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा रायपुर के संयुक्त प्रयास से प्रोजेक्ट सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत महत्वपूर्ण जीवनरक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में यह प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रोजेक्ट सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत आज प्लटीलेवल पार्किंग कलेक्ट्रेट, चौथा फ्लोर रायपुर में 18 सहायक शिक्षकों को प्राथमिक उपचार किट के उपयोग और सीपीआर तकनीक का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कुछ विशेष सावधानी रखकर बचा सकते हैं जान रेडक्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा रायपुर के सहायक प्रबंधक एस. कुर् ने प्रशिक्षण का संचालन करते हुए आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन रक्षक तकनीकों की महत्ता को समझाया। उन्होंने सीपीआर की विस्तृत विधि का व्यवहारिक प्रदर्शन किया।

रामलीला का मंचन व दर्शन मात्र से मनुष्य के पाप नष्ट हो जाते हैं – जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य

नगर निगम कोरबा द्वारा आयोजित श्रीरामलीला में पहुंचे श्रीरामभद्राचार्य जी महाराज, रामलीला आयोजन की सराहना की, दिया आशीर्तचन

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा आयोजित रामलीला में पधारे जगद्गुरू श्रीरामभद्राचार्य जी महाराज ने कहा कि प्रभु श्रीराम की जीवनलीला श्रीरामलीला के मंचन एवं दर्शन मात्र से मनुष्य के पाप नष्ट हो जाते हैं। उन्होने निगम द्वारा किए जा रहे रामलीला आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि दक्षिण कौशल माॅ कौशिल्या के प्रकाट्य स्थल छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध व्यवसायिक नगरी कोरबा में बनारस की मण्डली द्वारा रालीला के मंचन का यह आयोजन मन को प्रफुल्लित व आनंदित कर रहा है।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा

आयोजित श्रीरामलीला के दूसरे दिन सोमवार को चित्रकुटधाम से कोरबा पधारे जगद्गुरू श्रीरामभद्राचार्य जी महाराज ने अपनी गरिमापूर्ण उपस्थिति प्रदान कर श्रद्धालुओं व आयोजनकर्ताओं को अपना आशीर्चन दिया। यहाँ उल्लेखनीय है कि निगम द्वारा 28 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक कोरबा के घंटाघर स्थित ओपन थियेटर मैदान में पांच दिवसीय भव्य रामलीला व दशहरा उत्सव का आयोजन उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन की प्रेरणा एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की पहल पर किया जा रहा है। आयोजन के दूसरे दिन आयोजन स्थल पर पधारे जगद्गुरू श्रीरामभद्राचार्य जी का महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत व आयोजन समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों ने महाराजकी आगवानी की एवं उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर जगद्गुरू श्रीरामभद्राचार्य जी ने



आयोजन की प्रशंसा की तथा महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत व आयोजन समिति को साधुवाद दिया। अपने उद्बोधन में जगद्गुरू ने आगे कहा कि जिनसे सबका मंगल होता है, वे राम हैं, राम शब्द में राष्ट्र का मंगल निहित है, उन्होने कहा कि ''रा ''से राष्ट्र व ''म ''से मंगल, अर्थात प्रभु श्रीराम के नाम में ही राष्ट्र का मंगल, हम सबका

कल्याण छिपा है। आचार्यने कहा कि रामलीला में प्रभु श्रीराम की भूमिका का निर्वहन करने वाले पात्र में ''रामत्व '' का अंश आज जाता है, अतः जो भी पात्र प्रभु श्रीराम की भूमिका निभाता है, उसे सदैव पवित्रता का आचरण करना चाहिए। आयोजन के दूसरे दिन श्रीराम वन गमन, कंवट प्रसंग, दशरथ देवलोक गमन व भरत मिलाप प्रसंग

बलिदानी राजा गुरु बालकदास फिल्म साहस और शौर्य की अनुपम गाथा : मुख्यमंत्री साय

छत्तीसगढ़ी फिल्म देखने पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन

रायपुर। छत्तीसगढ़ी फिल्म देखने पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंहमुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर स्थित अबुजा मॉल के सिनेमाघर में छत्तीसगढ़ी फिल्म बलिदानी राजा



गाथा है। गुरु बालकदास ने अंग्रेजों एवं पंडितार्यों द्वारा किसानों पर किए जा रहे अत्याचार और भुखमरी के विरुद्ध न केवल संघर्ष किया, बल्कि समाज को संगठित करने का भी प्रयास किया। उन्होंने शिक्षा का अलख जगाने, सामाजिक सद्भाव को बढ़ाने और अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों का विरोध करने के साथ ही स्वतंत्रता संग्राम में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने यह

घोषणा की कि फिल्म बलिदानी राजा गुरु बालकदास को छत्तीसगढ़ में टैक्स प्री किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक दर्शक इस प्रेरणादायी गाथा को देख सकें और अपने इतिहास तथा विरासत से जुड़ सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ राज्य प्रारंभ से ही वीर शहीदों और संत-महात्माओं की धरती रहा है। आवश्यकता है कि हम अपने महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के इतिहास को जानें

पूर्व विवाद को लेकर फावड़े से प्राणघातक हमला, आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। जिले की थाना उतई पुलिस ने पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर फावड़े से जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है।

बता दें कि दिनांक 30/09/2025 को प्रार्थी देवेंद्र कुमार यादव पिता संजू कुमार यादव उम्र 27 वर्ष पता इंदिरा नगर उतई के द्वारा थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि वह रोजी मजरे का काम करता है दिनांक 30.09.2025 को इंदिरा नगर चौक स्थित दुर्गा पंडाल में प्रसाद बांट रहा था, रात्रि करीबन 8:30 बजे बाथरूम शौच आने पर वह पैंडल के बाजू में स्थित बिल्डिंग जो कुंदन साहू का है उसके छत पर शौच बाथरूम करने गया था इस समय उसके पीछे से लेखराम कुर्े अपने हाथ में एक पाउडर लेकर छत पर पहुंच गया और पुरानी रंजिश के चलते मां बहन की गंदी-गंदी गाली देकर आज तुझे जान से खत्म कर दूंगा कह कर चांद से मारने की नीयत से गो लोहे की फावड़े से उसके सिर पर वार कर गहरा चोट पहुंचाया जिससे बहुत खून बहने लगा वह छत से नीचे जाने का प्रयास किया तो आरोपी लेखराम कुर्े के द्वारा उसे पीछे

से पड़कर छत से नीचे फेंकने की कोशिश किया तब वह अपना जान बचाकर चिल्लाते हुए नीचे दुर्गा पंडाल की ओर भागते हुए आया पंडाल में काम करने वाले अन्य सदस्य उसके भाई केंद्र लाल यादव एवं मुकेश यादव के साथ थाना रिपोर्ट करने आने पर उसके द्वारा बताया गया कि आज से करीबन 2 दिना पहले शराब पीने की बात को लेकर उसका एवं लेख राम कुर्े का झगड़ा हुआ था इसी बात को लेकर लेखराम कुर्े के द्वारा लोहे के फवड़े से उसके सिर पर मारकर जानलेवा हमला किया गया रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी के पता तलाश एवं अन्य विवेचना कार्रवाई हेतु पृथक से पुलिस टीम गठित कर आसपास संभावित स्थानों पर खाना किया गया जो आरोपी ड्यूमडीह में होने की सूचना मिलने पर घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ कर हिरासत में लिया गया। आरोपी के कब्जे से खून आलूदा कपड़ा घटना में उपयोग किए गए लोहे का फावड़ा एवं अन्य सामग्री को जप्त किया गया आरोपी के विरुद्ध प्रकरण में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई कर गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।

दुर्गा उत्सव में छत्तीसगढ़ी सुप्रसिद्ध लोक गायिका आरू साहू द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम

श्री राम हिंदू संगठन के प्रयास से कार्यक्रम का आयोजन

संगीतमय प्रस्तुति देखने हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालु भक्तिरस से हुए सराबोर

दल्लीराजहरा। श्री राम हिंदू संगठन दल्ली राजहरा व सार्वजनिक निर्मला सेक्टर दुर्गा उत्सव समिति के तत्वाधान में दल्ली राजहरा में 29 सितंबर को वार्ड क्रमांक 23 के

सर्कस ग्राउंड में छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध आरू साहू जी का सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कराया गया जिसमें नगर के समस्त नागरिक उपस्थित होकर इस आयोजन का आनंद उठाते दिखे। पूरे शारदीय नवरात्रि में पूरे नगर में केवल एक सांस्कृतिक आयोजन होने की वजह से नगर के आसपास के ग्राम क्षेत्र से हजारों की संख्या में लोग आए और इस कार्यक्रम का आनंद उठाया। श्री राम हिंदू संगठन के जिला संयोजक रविंदर गुप्ता जी ने बताया कि इस आयोजन को दल्ली राजहरा में कराने के पीछे संगठन व दुर्गा उत्सव समिति के सभी लोगों का अथक प्रयास रहा और आने वाले समय में और भी अन्य आयोजन कराने को संगठन तत्पर है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष व वर्तमान प्रदेश मंत्री भाजपा अमित

साहू जी ने अपने संबोधन में कहा कि यह दल्ली राजहरा की पावन धरा पर ऐसे आयोजन को हर वर्ष कराया जाना चाहिए।इससे हिंदुत्व व समस्त सनातन समाज को एक नई ऊर्जा मिलती है जिससे हम अपनी संस्कृति से लंबे समय तक जुड़े रहते हैं।

इस आयोजन हेतु मैं अपने छोटे भाई रविंदर गुप्ता जी व उनके समस्त सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ। विशिष्ट अतिथि के रूप में सिरफ़िरे कवि व गरियाबंद के जिला पंचायत अध्यक्ष गौरी शंकर कश्यप जी उपस्थित हुए उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शादी नवरात्रि के साथ पूरे साल में नवरात्रि मनाई जाती है ऐसे आयोजनों से हम अपने समाज को और मजबूत करते हैं इस भव्य आयोजन के लिए समस्त आयोजन समिति के सदस्यों को बधाई दी। अन्य अतिथियों के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल

साहू जी, नगर पालिका उपाध्यक्ष मनोज दुबे जी,भाजयुमो जिलाध्यक्ष आदित्य सिंह पिपरे जी,भाजपा दल्ली राजहरा मंडल अध्यक्ष रामेश्वर साहू जी, पूर्व मंडल अध्यक्ष राकेश द्विवेदी जी,वार्ड पार्षद प्रदीप बाघ अन्य लोग उपस्थित रहे।

जिसमे मुख्य रूप से श्री राम हिन्दू संगठन दल्ली राजहरा व सार्वजनिक निर्मला सेक्टर दुर्गाउत्सव समिति के सदस्य,एम अमन, एस विनेश,सौरभ यादव,मनीष उइके,चिंदू शर्मा,कौशल,मनप्रीत ब्रोका,जसमीत सिंह ,नदीम, आरप्पिन, बंटी,तौशफ़राज व अन्य लोग उपस्थित थे। श्री राम हिन्दू संगठन दल्ली राजहरा व सार्वजनिक निर्मला सेक्टर दुर्गा उत्सव समिति ने आये सभी दर्शकों का आभार व्यक्त किया और इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु धन्यवाद ज्ञापित करा है।

का सुंदर मंचन रामलीला में किया गया।

अतिथियों ने श्रीराम दरबार में पूजा अर्चना कर दूसरे दिवस की रामलीला का कराया शुभारंभ – श्रीरामलीला आयोजन के दूसरे दिवस कार्यक्रम के अतिथियों ने श्रीराम दरबार में पूजा अर्चना कर दूसरे दिन की रामलीला का शुभारंभ कराया।इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कोरबा विभाग संघ चालक सत्येन्द्रनाथ दुबे, सिंधु समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुरलीधर माखीजा, कोरबा नगं कार्यवाह मृगेश यादव, कोरबा जिला कार्यवाह कैलाश नाहक, हसदेव महाआरती समिति से चन्द्रकुमार श्रीवास्तव व रणधीर पाण्डेय, भारती विकास परिषद के अध्यक्ष कमलेश यादव, पूर्व आयुक्त अशोक शर्मा, गायत्री परिवार से राजकुमार देवांगन, विष्णुशंकर मिश्रा, श्रेष्ठ सिंह ठाकुर, राधेश्याम जायसवाल, चन्द्रमा सिंह राजपूत, महापौर संजूदेवी

राजपूत, सभापति नूतन सिंह ठाकुर, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन, आयोजन समिति सचिव अशोक चावलानी सहित निगम के पार्षदगण, मेयर इन कार्डसिल सदस्यों ने पूजा अर्चना कर दूसरे दिन की रामलीला का शुभारंभ कराया।

इस मौके पर वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन के साथ ही पार्षद लक्ष्मण श्रीवास, चन्द्रलोक सिंह, पंकज देवांगन, मुकुद सिंह कंवर, अजय कुमार चन्द्रा, अजय गोंड, धनकुमारी गार्ग, पित्ततराम साहू, युगल कैवर्त, सत्येन्द्र दुबे, रामकुमार साहू सहित अन्य पार्षदगण के साथ ही आरिफ खान, परविंदर सिंह, रूक्मणी नायर, वैशाली रत्नपारखी, उमाभारती सराफ दिनेश वैष्णव, डॉ.अंजना सिंह, राकेश मिश्रा, निगम के अपर आयुक्त विनय मिश्रा सहित निगम के सभी अधिकारी कर्मचारी तथा आयोजन समिति के पदाधिकारी व सदस्यगण उपस्थित थे।

बेस्ट एस एल आर एम को मिलेगा पुरस्कार



■ स्वच्छता पखवाड़ा के तहत पांच बिंदु पर प्रतियोगिता

रिसाली। रिसाली निगम बेहतर कार्य

करने वाले कचरा पृथक करण केंद्र (एस एल आर एम) को पुरस्कृत करेगा। इसके लिए शनिवार को प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निरीक्षण के दौरान न केवल सजाया गया बल्कि कबाड़ से कलाकृति तैयार कर प्रदर्शन किया गया।

निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने इस बार स्वच्छता पखवाड़ा के तहत नया प्रयोग किया। एस एल आर एम सेंटर को बेहतर करने और

इन बिंदु पर 10 – 10 अंक

✓ कचरा छटाई और सूरक्षा के मापदंड
✓ आर आर सेंटर के रखखाव
✓ वेस्ट टू आर्ट
✓ परिसर की सफ़ाई
✓ कबाड़ को व्यवस्थित तरीके से रखखाव।

एस एल आर एम सेंटर को कर्मचारियों ने बेहतर तरीके से सजाया था। सेंटर को आकर्षक बनाने स्वच्छता को प्रदर्शित और रजत जयंती थीम पर रंगोली बनाया गया था।

वृद्ध बोझ नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और मूल्यों के संरक्षक हैं



ललित गर्ग

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरुआत 1991 में हुई थी और इसका उद्देश्य बढ़ती उम्र की आबादी के अवसरों और चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा वृद्धजनों के अधिकारों और योगदान को पहचानना है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित इस दिवस पर वृद्धजनों को समर्थन देने वाली प्रणालियों को मजबूत करने का आह्वान किया जाता है और उनके मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए एकीकृत दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के रूप में घोषित किया है। इस दिवस का उद्देश्य वृद्धों के अधिकारों, उनकी गरिमा और उनके योगदान को रेखांकित करना है। यह दिन हमें यह सोचने को विवश करता है कि जीवन के इस अंतिम पड़ाव में, जिसे कभी सम्मान और अनुभव का प्रतीक माना जाता था, आज वह उपेक्षा, अकेलेपन और असुरक्षा का पर्याय क्यों बन गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वर्ष 2030 तक 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग पूरी दुनिया में 1.4 अरब से अधिक हो जाएंगे और 2050 तक यह संख्या दोगुनी होकर लगभग 2.1 अरब तक पहुँच जाएगी। विकसित देशों में वृद्धजन आबादी का चौथाई हिस्सा बन चुके हैं, वहीं विकासशील देशों में भी उनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है। लेकिन विडंबना यह है कि इस बढ़ती जनसंख्या के साथ उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक भागीदारी की चुनौतियाँ भी बढ़ रही हैं। यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में वृद्धजन पेंशन और हेल्थकेयर से तो सुरक्षित हैं, परंतु वहाँ अकेलेपन और मानसिक अवसाद की समस्या विकराल है। एशिया और अफ्रीका में, जहाँ परिवार व्यवस्था मजबूत मानी जाती थी, अब संयुक्त परिवार टूटने से वृद्धजन आर्थिक व सामाजिक असुरक्षा से जूझ रहे हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरुआत 1991 में हुई थी और इसका उद्देश्य बढ़ती उम्र की आबादी के अवसरों और चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा वृद्धजनों के अधिकारों और योगदान को पहचानना है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित इस दिवस पर वृद्धजनों को समर्थन देने वाली प्रणालियों को मजबूत करने का आह्वान किया जाता है और उनके मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए एकीकृत दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया जाता है। समाज में उनके बहुमूल्य योगदान को मान्यता देना, उनके अधिकारों की रक्षा करना, वृद्धजनों को स्वास्थ्य सेवाएं, देखभाल, सामाजिक सहायता प्रदान करने वाली प्रणालियों को मजबूत करना, वृद्धजनों को वैश्विक विकास प्रयासों में शामिल करना और शहरी वातावरण को उनके लिए अधिक समावेशी बनाना आदि इस दिवस को मनाने के उद्देश्य हैं। इस दिवस को मनाते हुए वृद्ध व्यक्तियों की डिजिटल प्रौद्योगिकियों तक समान पहुँच प्रदान करने के महत्व पर जोर देना और यह सुनिश्चित करना कि सभी आयु वर्गों के लिए समानता को बढ़ावा दिया जाए और वृद्ध व्यक्तियों के मानवाधिकारों का पालन हो आदि बातों पर विशेष बल दिया जाता है।

इस दिवस की 2025 की थीम ह्रस्वमावेशी भविष्य के लिए



वृद्धजनों की आवाज को सशक्त बनानाहू है, जो वृद्धजनों की आवाज, अनुभव और ज्ञान को पहचानने तथा उनके अनुभवों के आधार पर समावेशी समाजों के निर्माण पर जोर देती है। यह थीम इस बात पर प्रकाश डालती है कि वृद्धजन लचीले और समतामूलक समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनतएवं आदर्श समाज के निर्माण में वृद्धजनों की आवाज, उनके दृष्टिकोण और अनुभव को विशेष महत्व है। वृद्धावस्था में कठिनाइयाँ अनेक रूपों में सामने आती हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से हृदय रोग, मधुमेह, जोड़ों के दर्द और डिमेंशिया जैसी बीमारियाँ उन्हें घेरे रहती हैं, परंतु चिकित्सा सुविधाओं तक उनकी पहुँच सीमित है। आर्थिक दृष्टि से पेंशन व सामाजिक सुरक्षा योजनाएं हर वृद्धजन तक नहीं पहुँचतीं और ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति और भी दयनीय है। सामाजिक स्तर पर आधुनिक जीवन की दौड़ में वृद्धजन अकेलेपन, उदासी और उपेक्षा से पीड़ित हैं। मानसिक दृष्टि से आत्मसम्मान को टेस, भूमिका से वंचित होना और बेकारपन का एहसास उन्हें भीतर तक तोड़ देता है।

भारत में वृद्धों की स्थिति अधिक चिन्ताजनक है। जबकि वृद्धजन भारतीय समाज की धरोहर मानी जाती रही हैं, उन्हें अनुभव और ज्ञान का भंडार मानते हैं। इसके बावजूद यदि हम उन्हें उपेक्षित करेगे तो यह केवल अन्याय ही नहीं, बल्कि सभ्यता एवं संस्कृति की पराजय होगी। वृद्धजन केवल जीवित बोझ नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और मूल्यों के संरक्षक हैं। उनका सम्मान करना न केवल हमारा नैतिक कर्तव्य है बल्कि एक बेहतर, संवेदनशील और संतुलित समाज के निर्माण की अनिवार्यता है। भारत जैसे विकसित देश के नागरिकों की औसत आयु 60 वर्ष से अधिक 65 हो रही है। जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के कारण देश में वृद्धजन की संख्या बढ़ रही है, देश में 2011 में

10.38 करोड़ वरिष्ठ नागरिक थे, जिनके 2050 तक बढ़कर 30 करोड़ होने का अनुमान है। अनुमान है, कि 2050 तक हर चौथा भारतीय बुजुर्ग होगा। यह बात भारत के नीति आयोग ने कही है, इसी के कारण बुजुर्गों की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

भारत में परंपरागत भारतीय परिवार व्यवस्था में वृद्धजनों को सम्मान, सुरक्षा और निर्णय लेने की अहम भूमिका प्राप्त थी। लेकिन आज शहरीकरण, परमाणु परिवार, प्रवास और उपभोक्तावादी सोच ने उनकी भूमिका को हाशिए पर पहुँचा दिया है। परिवार के भीतर उन्हें आर्थिक बोझ समझा जाने लगा है, पीढ़ीगत टकराव और मूल्यों में बदलाव ने दूरी बढ़ा दी है, नौकरी-पेशा बच्चों के व्यस्त जीवन में धैर्य और देखभाल की कमी स्पष्ट हो रही है और संपत्ति तथा अधिकारों को लेकर तनाव आम हो गया है। इसके परिणामस्वरूप वृद्धजन शारीरिक बीमारियों से जूझते हैं, पर पर्याप्त चिकित्सा नहीं मिलती। वे अकेलेपन और मानसिक अवसाद का शिकार होते हैं, उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाता है और कभी-कभी घरेलू हिंसा और संपत्ति विवादों में भी उलझना पड़ता है।

प्रश्न है कि दुनिया में वृद्ध दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियाँ बनी हुई हैं? चिन्ता का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्घार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की साँझ है। वस्तुतः वर्तमान के भागदौड़, आपाधापी, अर्थ प्रधानता व नवीन चिन्तन तथा मान्यताओं के युग में जिन अनेक विकृतियों, विसंगतियों व प्रतिकूलताओं ने जन्म लिया है, उन्हीं में से एक है वृद्धों की उपेक्षा। वस्तुतः वृद्धावस्था तो वैसे भी

अनेक शारीरिक व्याधियों, मानसिक तनावों और अन्याय्य व्यथाओं भरा जीवन होता है और अगर उस पर परिवार के सदस्य, विशेषतः युवा परिवार के बुजुर्गों/वृद्धों को अपमानित करें, उनका ध्यान न रखें या उन्हें मानसिक संताप पहुँचाएं, तो स्वाभाविक है कि वृद्ध के लिए वृद्धावस्था अभिशाप बन जाती है।

इन समस्याओं का समाधान केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए परिवार, समाज और सरकार-सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास की आवश्यकता है। परिवार व्यवस्था का पुनर्जीवन जरूरी है, बच्चों में बचपन से ही सेवा, सहानुभूति और सम्मान की भावना विकसित की जाए। सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार हो, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और वृद्धाश्रमों की गुणवत्ता में सुधार किया जाए। स्वास्थ्य सेवाओं में जेरियाट्रिक देखभाल को प्राथमिकता दी जाए, प्रत्येक नगर और गाँव में वृद्धजन के लिए स्वास्थ्य केंद्र स्थापित हों। मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए, अकेलेपन से लड़ने के लिए सामुदायिक केंद्र, क्लब और वृद्धजन मंच सक्रिय किए जाएँ। वृद्धजनों की डिजिटल तकनीक से जोड़कर उन्हें सामाजिक और पारिवारिक संवाद में सक्रिय बनाया जाए। माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम 2007 का प्राभावी क्रियान्वयन किया जाए और समाज में उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता लाई जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जब नया भारत, विकसित भारत और समृद्ध भारत का निर्माण हो रहा है, तब यह आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में वृद्धजन उपेक्षित न हों बल्कि उन्हें इसका सक्रिय भागीदार बनाया जाए। न्यूनतम पेंशन की गारंटी दे और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ हर वरिष्ठ नागरिक तक पहुँचाए। साथ ही ह्र्डिजिटल इंडियाहू और ह्रस्किरल इंडियाहू जैसी योजनाओं से वृद्धजनों को जोड़ा जाए ताकि वे सामाजिक संवाद और आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय बने रहें। वृद्धाश्रमों और डे-केयर सेंटर्स की गुणवत्ता और संख्या बढ़ाई जाए, मानसिक स्वास्थ्य के लिए काउंसलिंग केंद्र स्थापित हों और ह्रसेवा भावहू को बढ़ावा देने वाले राष्ट्रीय अभियान चलाए जाएँ। जब भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है, तब उसके अनुभव-संपन्न वृद्धजन राष्ट्र की अमूल्य पूंजी हैं, इसलिए मोदी सरकार को उनके लिए संवेदनशील और समग्र कल्याणकारी नीतियाँ लागू करनी चाहिए। (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

एशिया कप में विजयी ‘तिलक’

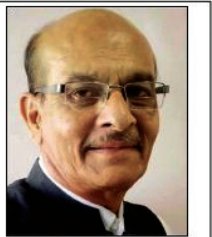
कुछ महीनों पहले विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम ने टी-20 एशिया कप पर कब्जा जमाकर अपनी श्रेष्ठता एक बार फिर साबित कर दी है। यह सही है कि भारत को इस खिताबी जीत के लिए खासा संघर्ष करना पड़ा। पर हमेशा जीत के ही मायने होते हैं, इस लिहाज से देखें पाकिस्तान पर इस चौपियन्शिप में पहली जीत दर्ज करने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहना कि दोनों देशों के बीच प्रतिद्वंद्विता रह कहां गई है, काफी हद तक सही लगती है। इसकी वजह भारत की पाकिस्तान पर लगातार आठवीं जीत दर्ज करना है। पिछले कुछ समय से क्रिकेट प्रेमी वह कहने लगे हैं कि भारत-पाकिस्तान मुकाबलों में अब पहले जैसा रोमांच नहीं रहा है। इस सोच की फाइल मुकाबले ने एकदम से हवा निकाल दी है। इस मुकाबले में आखिरी ओवर फेंके जाने तक यह तय नहीं था कि कौन सी टीम विजेता बनेगी। भारतीय जीत की वजह खिलाड़ियों द्वारा महत्वपूर्ण मौकों पर घड़कनों को काबू में रखना है। इस खुबी की वजह से ही भारतीय टीम पाकिस्तान के 12.4 ओवर में एक विकेट पर 113 रन बनाने के बाद उन्हें 146 रनों पर समेटने में सफल हो गई। वहीं अपने तीन प्रमुख विकेट गिर जाने पर लक्ष्य पाने में सफल हो गई। बात यहां तक भारत-पाक मुकाबलों के रोमांच की है, तो फाइल देखने के बाद शायद ही कोई रोमांच में कमी आने की बात माने। आईसीसी इन दोनों देशों के मुकाबले के महत्त्व को जानता है, इसलिए ही वह इसका पूरा फायदा उठाने का प्रयास करता है। इस कारण ही भारत और पाकिस्तान को एक गुगु में रखकर दोनों के बीच तीन मुकाबले की संभावनाएं बनाई जाती हैं। इसकी वजह अधिक से अधिक कमाई करना होता है। अगर दोनों टीमों को अलग-अलग ग्रुपों में रखा जाता तो तमाम विवादों से बचा जा सकता था। वैसे भी तमाम विवाद खेल भावना को नहीं रक्षते हैं। सही मायनों में तो खेल को राजनीति से बचाने का प्रयास किया जाना चाहिए। पर इसमें दोनों में से किसी की भी दिलचस्पी नजर नहीं आती है। दोनों टीमों में विवाद पहले भी रहे हैं। पर मैदान के बाहर सबकुछ भुला दिया जाता था। पर पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के पहलवान हमले के बाद से इस मामले में सबकुछ बदल गया है। पर इतना जरूर है कि मैदान में खिलाड़ियों के आपस में भिड़ने और कमेंट्री रूम में दोनों देशों के पूर्व क्रिकेटरों के सहज रहना थोड़ा अटपटा जरूर लगता है। इसलिए खेल भावना को बनाए रखना ही खेल के लिए हितकर लगता है।

चिंतन-मनन

कृष्ण हैं परम पुरुष

जीव तथा भगवान की स्वाभाविक स्थिति के विषय में अनेक दार्शनिक ऊहापोह में रहते हैं। जो भगवान कृष्ण को परम पुरुष के रूप में जानता है, वह सारी वस्तुओं का ज्ञाता है। अपूर्ण ज्ञाता परम सत्य के विषय में केवल चिन्तन करता जाता है, जबकि पूर्ण ज्ञाता समय का अपव्यय किये बिना सीधे कृष्णभावनामृत में लग जाता है, अर्थात भगवान की भक्ति करने लगता है। सम्पूर्ण भगवद्गीता में पग-पग पर इस तथ्य पर बल दिया गया है। फिर भी भगवद्गीता के ऐसे अनेक कट्टर भाष्यकार हैं, जो परमेर तथा जीव को एक ही मानते हैं। वैदिक ज्ञान श्रुति कहलाता है, जिसका अर्थ है श्रवण करके सीखना। वास्तव में वैदिक सूचना कृष्ण तथा उनके प्रतिनिधियों जैसे अधिकारियों से ग्रहण करनी चाहिए। यहां कृष्ण ने हर वस्तु का अंतर सुन्दर ढंग से बताया है, अतएव इसी स्रोत से सुनना चाहिए। लेकिन केवल सुनना पर्याप्त नहीं है। मनुष्य को चाहिए कि अधिकारियों से सम्झे। ऐसा नहीं कि केवल शुष्क चिन्तन ही करता रहे। मनुष्य को विनीत भाव से भगवद्गीता से सुनना चाहिए कि सारे जीव सर्वत्र भगवान के अधीन हैं। जो भी इसे समझ लेता है, वही श्रीकृष्ण के कथनानुसार वेदों के प्रयोजन को समझता है, अन्य कोई नहीं समझता।

भजति शब्द अत्यन्त सार्थक है। कई स्थानों पर भजति का संबंध भगवान की सेवा के अर्थ में व्यक्त हुआ है यदि कोई व्यक्ति पूर्ण कृष्णभावनामृत में रत है, अर्थात् भगवान की भक्ति करता है, तो यह समझना चाहिए कि उसने सारा वैदिक ज्ञान समझ लिया है। वैष्णव परंपरा में कहा जाता है कि यदि कोई कृष्ण-भक्ति में लगा रहता है, तो उसे भगवान को जानने के लिए किसी अन्य आध्यात्मिक विधि की आवश्यकता नहीं रहती। वह ज्ञान की समस्त प्रारंभिक विधियों को पार कर चुका होता है। लेकिन यदि कोई लाखों जन्मों तक चिन्तन करने पर भी इस लक्ष्य पर नहीं पहुंच पाता कि श्रीकृष्ण ही भगवान हैं और उनकी ही शरण ग्रहण करनी चाहिए, तो उसका अनेक जन्मों का चिन्तन व्यर्थ जाता है।



सनत जैन

पूँजीवादी व्यवस्था अपने चरम पर... दुनिया की सबसे ताकतवर अर्थव्यवस्था वाली अमेरिकी सरकार कंगाली की कगार पर खड़ी हो गई है। यह स्थिति बजट विवाद या प्रशासनिक असफलता का नहीं है, बल्कि उस पूँजीवादी व्यवस्था की नंगी सच्चाई है, जिसने वहां की आम जनता का आर्थिक शोषण करते हुए कॉर्पोरेट घरानों की तिजोरियां भर दी हैं। आंकड़े बताते हैं, अमेरिकी सरकार दो ट्रिलियन डॉलर के घाटे में चल रही है। संसद में बजट पास न होने की स्थिति में शटडाउन का खतरा मंडराने लगा है। बजट की अनुमति नहीं मिलने पर सरकारी कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलेगा। अमेरिका की पूरी अर्थ व्यवस्था ठप्प पड़ जाएगी। सरकार एक तरह से ऑक्सीजन पर निर्भर हो जाएगी। यह कंगाली अचानक नहीं आई है। डोनाल्ड ट्रंप और उसने पहले की सरकारों ने कॉर्पोरेट को लगातार टैक्स छूट, कॉर्पोरेट पर नरमी और जनता पर टैक्स का बोझ डालने वाली नीतियों को बढ़ावा दिया है। नतीजा यह हुआ कि तंबाकू, बैंकिंग, टेक और दवा कंपनियों जैसे सेक्टर में कॉर्पोरेट 75 से 80 प्रतिशत से ज्यादा का मुनाफा कमा रहे हैं। उत्पादन और खेती से जुड़ा वर्ग



विनोद के. शाह

देश में जनसंख्या वृद्धि केवल जनगणना के आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि रोजमर्रा के जीवन की हर सड़क, हर मोड़ और हर फुटपाथ पर सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण जीवन में खौफ पैदा करती दिखती है। शहरों में इंसान एवं वाहन बढ़ते गए, सड़कों पर जगह घटती गई। नतीजा यह कि पैदल चलने वालों के लिए कभी सुरक्षित माने जाने वाले फुटपाथ आज खड़े वाहनों, दुकानों के विस्तार और अवैध कब्जों से घिर चुके हैं। एक समय था जब फुटपाथ पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और निर्बाध रास्ता हुआ करता था। आमजनों को अधिकार में मिला सड़क के किनारे वाला फुटपाथ स्कूल जाते बच्चों, पैदल चलते बुजुर्गों के लिए सुरक्षित मार्ग था। दिव्यांगजन भी बाहर डरे आत्मविश्वास के साथ सुरक्षित चल पाते थे। लेकिन अब वही फुटपाथ एवं पार्किंग स्थल अतिक्रमण का शिकार हो चुके हैं। हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सहित राज्य सरकारों से स्पष्ट

महज 1इअ8 प्रतिशत पर सिमट गया है। मेहनत करने वाले अमेरिकी नागरिक लगातार पिस रहे हैं। वहीं पूंजीपति वर्ग दिन-दूनी रात-चौगुनी कमाई कर रहा है। सबसे भयवह स्थिति हेल्थकेयर सेक्टर की है। अमेरिका में प्रति व्यक्ति कर 11 लाख रुपए सालाना स्वास्थ्य पर खर्च होते हैं। जो जर्मनी, फ्रांस या कनाडा जैसे विकसित देशों से 2 से 3 गुना ज्यादा है। बावजूद इसके, जनता को गुणवत्तापूर्ण सुविधा नहीं मिल रही है। 20 से 40 गुना महंगी दवाएं अमेरिका में बिकती हैं। डॉक्टरों की फीस भी अमेरिका में अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा है। अस्पतालों में भर्ती होना या सर्जरी कराना आम नागरिक के लिए बहुत मुश्किल हो गया है। उसे इलाज के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है। जिसके कारण वह कर्ज के बोझ से दबा हुआ है। आम आदमी का यही पैसा फार्मा और बीमा कंपनियों की जेब में जा रहा है। जिसके कारण फार्मा और बीमा कंपनियों की कमाई लगातार बढ़ती जा रही है। यह दो सेक्टर अमेरिका की राजनीति को प्रभावित करते हैं। सरकार उनके अनुसार ही नीतियां बनाती है। कॉर्पोरेट का अमेरिका की राजनीति में गहरा प्रभाव होने से आम आदमी की आर्थिक स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती चली जा रही है। पूंजीवाद की यह बीमारी अमेरिका को अंदर से खोखला कर रही है। सरकार ने विदेशी सहायता घटाय है। पब्लिक सेक्टर की संपत्तियों को बेच दिया है। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सरकार लगातार कटौती कर रही है। इसके बाद भी सरकार का घाटा कम होने के स्थान पर बढ़ता ही जा रहा है। इसकी वजह साफ है, अमेरिका में कॉर्पोरेट के मुनाफे पर कोई अंकुश नहीं है। बैंकिंग सेक्टर 99 प्रतिशत मार्जिन से कमाई कर रहा है। टेक्स बोझ केवल आम नागरिकों पर है। अमेरिका की सरकार कॉर्पोरेट को टेक्स

छूट के साथ-साथ हर सुविधा दे रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आयात पर टैरिफ और अप्रत्यक्ष टैक्स बढ़ाकर जनता की जेब से वसूली कर रहे हैं। वहीं डोनाल्ड ट्रंप की सरकार कॉर्पोरेट जगत के अरबोंडॉलरबों की कॉर्पोरेट कमाई पर चुप्पी साध रखी है, जिससे अमेरिका की जनता का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। अमेरिका का यह संकट दुनिया के लिए एक बड़ी चेतावनी है। भारत सहित दुनिया के तमाम देशों को यह समझना होगा। अगर अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से बाजराज की कमाई के हवाले कर दिया गया तो आम जनता और सरकार का हाल, वही होगा जो आज अमेरिका का हो चुका है। सरकार के ऊपर कर्ज बढ़ता चला जा रहा है। आम लोगों के बजट में कटौती होती जा रही है। महंगाई बढ़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। कमाई और बचत कम होती चली जा रही है। सरकारों कंगाल होती जा रही हैं, और जनता गुलाम होने जैसी स्थिति में पहुंच गई है। पूँजीवाद का यह चरम रूप है, जिसने अमेरिका जैसे देश में लोकतंत्र को खोखला कर दिया है। अमेरिका की संसद में नीतियां जनता के लिए नहीं, बल्कि कंपनियों के हित के लिए बन रही हैं। अमेरिका की वर्तमान स्थिति केवल उसकी आंतरिक समस्या नहीं है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए कहा जा सकता है, वैश्विक पूँजीवादी मॉडल की असफलता है। वैश्विक व्यापार संधि के माध्यम से पूँजीवाद को अमेरिका से पूरी दुनिया में फैलाने की कोशिश की गई थी। वह अपने वीषस्वरूप में अमेरिका में ही देखने को मिल रही है। सवाल यह है, चेतावनी को समय रहते समझेंगे, या फिर अमेरिका की राह पर चलते हुए भारत सहित दुनिया के सारे देश आर्थिक संकट और लोकतंत्र के लिए चुनौती साबित होंगे? वैश्विक व्यापार संधि के बाद जो बाजारवाद की लहर पूरी दुनिया के देशों में पहुंची थी,



उसके कारण आम आदमी से लेकर सरकारों सभी कर्ज में डूबी हुई हैं। कॉर्पोरेट दिन दूनी रात चौगुनी कमाई कर रहे हैं। आम जनता कर्ज और टैक्स के बोझ से दबी हुई है। इसके बाद भी दुनिया की सभी सरकारों का कर्ज बढ़ता ही जा रहा है। दुनिया के सभी देशों की जनता कंगाली और शोषण का शिकार हो रही है। राजनेताओं और कॉर्पोरेट सेक्टर का जो गठबंधन बना है अब उसके खिलाफ सारी दुनिया के देशों में आम जनता के बीच विद्रोह देखने को मिलने लगा है। आधा दर्जन से ज्यादा देश इसके शिकार हैं। आम जनता विशेष रूप से युवा महंगाई और बेरोजगारी से परेशान हैं। कारपोरेट जगत में जो नीतियां बनाई हुई हैं उसमें मशीनों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग हो रहा है। लोगों को काम नहीं मिल रहा है। जिसके कारण अब पूंजीवादी व्यवस्था को लेकर सारी दुनिया के देशों में जो गुस्सा देखने को मिल रहा है वह किसी के लिए भी अच्छा नहीं है। कॉर्पोरेट जगत और राजनेताओं की मिली भगत ने शोषण की सभी हदें पार कर दी हैं। इसके बाद भी अमेरिका जैसा देश कर्ज के कारण कंगाली के दौर पर पहुंच रहा है। यह सारी दुनिया के पूँजीवादी देशों के लिए एक सबक है।

सड़क हादसे: असुरक्षित सड़कें हैं जान की दुश्मन

कहा है कि नागरिकों, विशेष रूप से दिव्यांगजन और बुजुर्गों के लिए सुरक्षित फुटपाथ उपलब्ध कराना सरकारों की नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है। अदालत ने चार सप्ताह के भीतर आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया है। यह आदेश अब केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक चेतावनी भी है कि यदि सरकार और स्थानीय निकाय समय पर कदम नहीं उठाते, तो सड़क सुरक्षा के संकट और गंभीर होंगे। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार वर्ष 2023 में देशभर में पैदल चलते हुए 35,203 लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत हुई, जबकि 54,544 लोग घायल हुए। यह आंकड़ा सड़क दुर्घटनाओं में कुल मौतों का 20.4% है। प्रत्येक पांच सड़क दुर्घटना मृतकों में से एक पैदल यात्री है। दिल्ली में वर्ष 2025 के प्रारंभिक चार महीनों में सड़क हादसों में 184 लोगों की जान गई है। यानी प्रत्येक माह औसतन 46 लोगों की पैदल चलने के दौरान मौत हुई है। दिल्ली यातायात पुलिस मानती है कि सड़क किनारे रेहड़ी-पटरी एवं खड़े वाहनों के अतिक्रमण से राजधानी की अस्सी फीसद सड़कें प्रभावित है। यह आंकड़े संकेत हैं कि हमारे शहर और कस्बे पैदल चलने के लिए सुरक्षित रहने के बजाए दिन-ब-दिन खतरनाक होते जा रहे हैं। पिछले वर्षों में ऐसी अनेक घटनाएं हुई हैं, जब स्कूल बस का ईंतजार कर रहे बच्चों को तेज रफ्तार वाहनों ने रौदा है। वर्ष 2023 में ही सड़क हादसों में 2,352 बच्चों ने अपनी जान गंवाई। इससे भी दर्दनाक यह कि सड़क पर बने गड्ढों के कारण 2,161 लोग मारे गए। गड्ढा भरना कोई तकनीकी विशेषज्ञों की आवश्यकता नहीं मांगता है, इसे स्थानीय निकाय का सफाई कर्मचारी भी

आसानी से संपन्न करा सकता है, लेकिन हमारे देश में पैचवर्क श्रेणी का कार्य भी फाइलों में एक टेबल से दूसरे टेबल का सफर करता एक लंबित कार्य बन जाता है। सड़क सुरक्षा में यातायात पुलिस सहित नगर निगम, नगर पालिका, विकास प्राधिकरण, यातायात प्रबंधन विभाग और नागरिकों, सभी की साझा जिम्मेदारी है। स्थानीय प्रशासन को अतिक्रमण हटाने, पार्किंग व्यवस्था सुधारने और फुटपाथ की मरम्मत की जिम्मेदारी प्रशासनिक कार्य बंटवारे में सौंपी गई है। यातायात पुलिस को पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित जेब्रा क्रॉसिंग, यातायात सिग्नल और अंडरपास की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। नागरिकों को भी स्वयं के कर्तव्यों को समझने की आवश्यकता है कि फुटपाथ पर गाड़ी खड़ी करना या दुकान फैलाना दूसरों के जीवन को संकट में डालना है। बैंक, मॉल, अस्पताल और प्रतिष्ठानों को अपने ग्राहकों को पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराना व्यापारिक जिम्मेदारी के साथ कानूनन आवश्यक है। लेकिन स्थानीय प्रशासनिक व्यवस्था इतनी अधिक लापरवाह हो चुकी है कि पार्किंग अभाव में भी संस्थाओं को संचालन की आसान अनुमति दे दी जाती है, जिसमें गाड़ियां सड़कों और रथाओं पर खड़ी कर दी जाती हैं। आवासीय क्षेत्रों में वह हवासी भी बड़ी गाड़ियां खरीदने में परहेज नहीं करते हैं जिन पर पार्किंग सुविधा नहीं है, परिणामस्वरूप वाहन सड़क पर खड़े किए जाते हैं। जिसके कारण आपातकालीन सेवाएं एंबुलेंस और अग्निशमन वाहन भी समय पर आसानी से नहीं गुजर पाते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा है कि जब बड़े राजमार्ग बनाने की बात की जा रही है, लेकिन



देश में पैदल राहगीरों के लिए सड़क किनारे फुटपाथ सुरक्षित नहीं है। यह देश में गंभीर त्तिता का विषय होना चाहिए। मोटर वाहन अधिनियम 1988 में भी पैदल यात्रियों को सड़क क्रॉसिंग, फुटपाथ और ट्रैफिक सिग्नल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य माना गया है, लेकिन इसे सिर्फ किताबों तक ही सीमित माना जा रहा है। पैदल राहगीरों के दुर्घटनाग्रस्त होने पर इलाज सहायता का प्रावधान भी अदालत के हस्तक्षेप के बाद ही संभव हो सका है। अगर आज हमने फुटपाथ और सड़क सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाले समय में शहरों में पैदल चलना भी असंभव हो जाएगा। सुग्रीम कोर्ट का दिशा-निर्देश महत्वपूर्ण कदम है, सुरक्षित फुटपाथ और व्यवस्थित सड़कें केवल यातायात सुधार का हिस्सा नहीं, बल्कि हर नागरिक के जीवन के अधिकार का सम्मान भी है।

चहल संग तलाक मामले में लोगों पर भड़कीं धनश्री

डांसर और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा इस समय राइज एंड फॉल रियलिटी शो में नजर आ रही हैं। यहां उन्होंने क्रिकेटर युजवेंद्र चहल संग तलाक और अपने रिश्ते पर बेबाकी से बात रखी है, जिसकी बीते दिनों खूब चर्चा हुई थी। अब एकबार फिर से उन्होंने चहल के साथ डिवोर्स मामले पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें वो किसी बात पर नेटिजंस पर भड़कती भी नजर आ रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने एलिमनी को लेकर भी अपने विचार प्रकट किए हैं।



चहल संग तलाक पर धनश्री ने दी प्रतिक्रिया राइज एंड फॉल शो से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें धनश्री वर्मा प्रतियोगियों से बात करती दिख रही हैं। वीडियो में आदित्य नारायण ने धनश्री से चहल संग रिश्ते पर सवाल करते हुए पूछा, 'आपको आधिकारिक रूप से अलग हुए कितने दिन हो गए?' इसके जवाब में उन्होंने कहा कि एक साल हो गया। बाद में किसी ने सवाल किया कि बहुत जल्दी हो गया सब। इस पर डांसर ने कहा, 'वो आपसी सहमत थे था, इसलिए जल्दी हो गया।'

एलिमनी मामले पर भड़कीं धनश्री

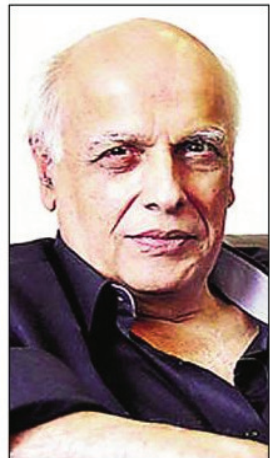
धनश्री वर्मा ने आगे कहा, 'इसीलिए जब लोग एलिमनी की बात कहते हैं, तो वो गलत है। अगर मैं कुछ नहीं बोल रही हूँ, तो इसका मतलब ये नहीं कि लोग कुछ भी उल्टा-सीधा बोलेंगे। लेकिन मेरे माता-पिता ने ये सिखाया है कि आप अपने लोगों को प्रति ही जवाबदेही रखिए, नाकि अन्य लोगों के प्रति।' आपको बताते चलें कि धनश्री और चहल का रिश्ता 2020 में शादी के बंधन में बंधा था। लेकिन कुछ ही वर्षों में दोनों के रिश्ते में दरार पड़ने लगी और फरवरी 2025 में दोनों का तलाक आधिकारिक रूप से हो गया था।

कोरियन ड्रामा में नजर आएंगी एकता कपूर?

प्रोड्यूसर एकता कपूर ने अपने करियर में कई हिट टीवी सीरियल बनाए हैं, ज्यादातर के नाम की शुरुआत 'क' शब्द से होती थी। हाल ही में एक पोस्ट के जरिए एकता ने कोरियन ड्रामा में शामिल होने वाली खबर को लेकर अपडेट दिया। अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में एकता कपूर ने एक स्टोरी पोस्ट की। इसमें वह कहती हैं, 'मैं ओजी कीन हूँ, 'के ड्रामा' की (क्योंकि... जैसे सीरियल को लेकर कही ये बात)। मैं आपके लिए एक अपडेट लाई हूँ। मैं कोरियन ड्रामा में नजर आऊंगी।' देखना होगा कि क्या वह सच में कोरियन ड्रामा में नजर आएंगी या फिर किसी हिट कोरियन ड्रामा का हिंदी में रीमेक बनाएंगी। कोरियन ड्रामा की बात करें तो इनकी भारत में काफी फैन फॉलोइंग है, जैन जी कोरियन ड्रामा के बहुत बड़े फैन हैं।



इस फिल्म की असफलता से टूट गई थीं आलिया



मैं उनकी फिल्म आई शानदार। मगर, बैंक्स ऑफिस पर यह कतई शानदार नहीं रही और आलिया के करियर की पहली फ्लॉप साबित हुई। हाल ही में आलिया के पिता और लोकप्रिय निर्माता-निर्देशक महेश भट्ट ने खुलासा किया कि इस फिल्म की असफलता ने आलिया को झकझोर कर रख दिया था। कई हिट के बाद हिस्से आई असफल फिल्म

महेश भट्ट ने हाल ही में सिद्धार्थ कनन के साथ बातचीत में फिल्म शानदार (2015) की असफलता का जिक्र किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस फिल्म की असफलता का उन पर लंबे समय तक असर रहा। इस फिल्म में आलिया के साथ शाहिद कपूर नजर आए थे। महेश भट्ट ने कहा, आलिया को जब अपनी पहली असफलता का स्वाद चखना पड़ा, जो कि फिल्म शानदार थी तो वह इससे पूरी तरह हिल गई थी। यह फ्लॉप फिल्म क्योंकि कई हिट फिल्मों के बाद उसके हिस्से आई। महेश भट्ट ने आगे कहा, भले ही वह बाहर से एक सख्त लड़की हो, लेकिन असफलता तो असफलता ही होती है। उन्होंने कहा कि असफलताएं हमें याद दिलाती हैं कि सितारे भी आम इंसान होते हैं, जिन्हें भी दूसरों की तरह असफलताओं का सामना करना पड़ता है। हर कलाकार को उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ता है



स्वमसूट में फोटोज पर साई पल्लवी ने तोड़ी चुप्पी

नितेश तिवारी की रामायण में माता सीता का किरदार निभा रही साई पल्लवी बीते दिन आलोचनाओं का शिकार हुई थी। उनकी बहन पूजा कन्नन ने सोशल मीडिया पर समंदर किनारे वेकेशन मनाने की तस्वीरें शेयर की थीं। जिसके बाद एक्ट्रेस की स्वमसूट पहने कई एआई-जनरेटेड तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो गई थी। जिस वजह से लोगों ने उन पर निशाना साड़ा था। अब एक्ट्रेस ने इस पर रिप्लेट किया है। साई पल्लवी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह और उनकी बहन कुछ दोस्तों के साथ वेकेशन मनाते दिख रहे हैं। विलप में दोनों बहनें समंदर किनारे आराम फरमाती दिख रही हैं। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने उस वक्त जो कपड़े पहने थे, उसका भी वीडियो और फोटो पोस्ट किया, जिसे मॉर्फ किया गया है।

साई पल्लवी को बताया असली हीरा

साई पल्लवी के इस पोस्ट पर लोगों ने रिप्लेट किया। एक यूजर ने लिखा, कैप्शन मस्त है। एक ने लिखा, एक कैप्शन से ही सबको रोस्ट कर दिया। एक ने लिखा, हम आपसे प्यार करते हैं छीन। एक ने लिखा, कैप्शन पसंद आया। एक ने लिखा, हम जानते हैं मैम कि आप असली हीरा हो। एक ने लिखा, आपने छिपाया लेकिन उन्होंने डिकोड कर लिया। आपने वन पीस या स्वमसूट पहना था, ये सच है।

साई पल्लवी की फिल्में

साई पल्लवी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार चंद्र मोडेती की फिल्म थंडेल में नागा चैतन्य के साथ नजर आई थी। अब वह रणबीर कपूर के साथ रामायण में दिखाई देंगी। इसके अलावा, वह आमिर खान के बेचे जुनैद खान के साथ सुनील पांडे की डायरेक्टेड फिल्म पर भी काम कर रही हैं। इसके बारे में अभी ज्यादा जानकारी पब्लिक नहीं है।



इंसान की पहचान उसके रिश्तों से नहीं बल्कि उसकी सोच और काम से होती है

बॉलीवुड अभिनेत्री तुषि डिमरी हाल ही में अपनी फिल्मों के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में हैं। बीते दिनों से लगातार खबरें आ रही थी कि तुषि बिजनेसमैन और मॉडल सैम मर्चेंट को डेट कर रही हैं। दोनों को कई बार साथ में देखा भी गया है, लेकिन अब तक इस रिश्ते पर कभी खुलकर कुछ कहा नहीं गया था। ऐसे में पहली बार तुषि ने रिलेशनशिप पर चुप्पी तोड़ी है और ऐसा बयान दिया है जिसने फैंस को सोचने पर मजबूर कर दिया है। इंटरव्यू में तुषि डिमरी ने कहा कि आज की दुनिया में अवसर यह मान लिया जाता है कि अगर कोई रिश्ते में नहीं है तो उसकी जिंदगी अधूरी है। लेकिन उनकी राय अलग है। उन्होंने साफ कहा, रिश्ते में होना कोई मजबूरी नहीं है। अगर कोई सिंगल है तो इसका मतलब यह नहीं कि उसमें कोई कमी है। जिंदगी में और भी बहुत कुछ है जिसे हासिल किया जा सकता है। सिर्फ इसलिए उदास होना कि आपके पास कोई पार्टनर नहीं है, सही सोच नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी फिल्म बुलबुल की निर्देशक अनविता दत्त ने उन्हें यह सिखाया कि सिंगल होना भी उतना ही सामान्य है जितना रिश्ते में होना। तुषि का मानना है कि इंसान की पहचान उसके रिश्तों से नहीं बल्कि उसकी सोच और काम से होती है।

कपूर के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब सराहा और इसके बाद से ही वह लगातार चर्चा में बनी रहीं। हाल ही में आई धड़क 2 में भी उन्होंने सिद्धांत चतुर्वेदी संग अपनी एक्टिंग से सभी को प्रभावित किया। तुषि अपनी बॉल्ड वॉइस और दमदार अदाकारी के लिए जानी जाती हैं। वह ऐसे किरदार चुनती हैं जो दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ते हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। उनकी हर तस्वीर और वीडियो फैंस के बीच तेजी से वायरल हो जाते हैं।

कौन हैं सैम मर्चेंट?

सैम मर्चेंट एंटरटेनमेंस इंडस्ट्री में किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। एक समय पर वह मॉडलिंग की दुनिया में काफी लोकप्रिय रहे और इसके बाद उन्होंने बिजनेस में कदम रखा। आज वह एक सफल उद्यमी माने जाते हैं। उनकी लाइफस्टाइल और सोशल सर्कल हमेशा मीडिया की सुर्खियों में रहते हैं। यही वजह है कि जब तुषि और सैम को साथ देखा गया तो दोनों के रिश्ते की अटकलें तेज हो गईं।



तुषि का करियर ग्राफ

तुषि डिमरी ने पिछले कुछ वर्षों में बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। लेला मजंनू और बुलबुल जैसी फिल्मों से शुरू हुआ उनका सफर एनिमल जैसी सुपरहिट फिल्म तक पहुंचा। रणबीर

रीमेक का दौर कभी खत्म नहीं होगा

आमिर खान ने अपने लंबे करियर में अभिनय के साथ सिनेमा को विषय की तरह समझा है। बदलते आयामों और चुनौतियों पर उनकी राय अहम है। इस खास बातचीत में उन्होंने अपने विचार साझा किए...

सिनेमा को पहले मास मीडियम कहते थे, लेकिन क्या आज भी ऐसा है?

सिनेमा को मास मीडियम कहा जा सकता है लेकिन थिएटर जाकर फिल्में देखने को मास मीडियम नहीं कह सकते क्योंकि वहां खर्चा ज्यादा होता है। आमतौर पर लोग थिएटर में ही फिल्म देखते हैं। थिएटर अपनी तरफ से कोशिश कर रहे हैं। जैसे मंगलवार को कम चार्ज करना लेकिन फिर भी लोअर मिडिल क्लास के लोगों के लिए परिवार के साथ देखना मुश्किल है। मैं चाहता हूँ कि ऐसा मॉडल हो, जो हर आदमी को किफायती लगे।

क्या लाल सिंह चड्ढा जैसी बड़ी मेकर से बनवानी चाहिए थी ?

नहीं, मुझे लगता है अद्वैत चंदन ने एक अच्छी

फिल्म बनाई। हम अद्वैत और पूरी टीम के साथ खड़े हैं और जिस फिल्म को हमने बनाया, उस पर हमें गर्व है। कई लोगों को फिल्म पसंद आई लेकिन उनकी तादाद कम थी। मुझे लगता है कि मैंने अपना परफॉर्मेंस बहुत हाई पिच किया और इसमें मैं असफल रहा।

क्या बहुत पुरानी फिल्मों की रीमेक में भी पोटेंशल है?

लाल सिंह चड्ढा या सितारे जमीन पर मेरी पहली रीमेक नहीं है। मैं पहले ही गजनी समेत 8-10 रीमेक कर चुका हूँ। मुझे रीमेक करने में कोई परेशानी नहीं होती। जैसे हम शेक्सपियर के पुराने नाटकों को आज भी नए अंदाज में प्रस्तुत करते हैं, उसी तरह रीमेक में भी हम मूल कहानी में अपनी रचनात्मकता जोड़ते हैं। रीमेक का दौर सदा रहेगा, चाहे पुरानी फिल्म की बनाई जाए या नई की।

आपके हिसाब से लॉयल ऑडियंस को क्या चाहिए?

देखिए, सिनेमाघरों में जाने वाली मुख्य ऑडियंस आम तौर पर 12 से 22 साल के बीच की होती है। यही वह ग्रुप है जो बड़े पैमाने पर थिएटर को

भरता है। इसके बाद लोग जिंदगी में व्यस्त हो जाते हैं, उनके पास समय कम होता है और कई फिल्में वे मिस कर देते हैं। यह भी सच है कि किसी को भी नहीं पता कि युवाओं का क्या चाहिए। किसी के पास इसका कोई तय जवाब नहीं है।

घरवाली-बाहरवाली का कलेश दिखाएंगी मस्ती 4

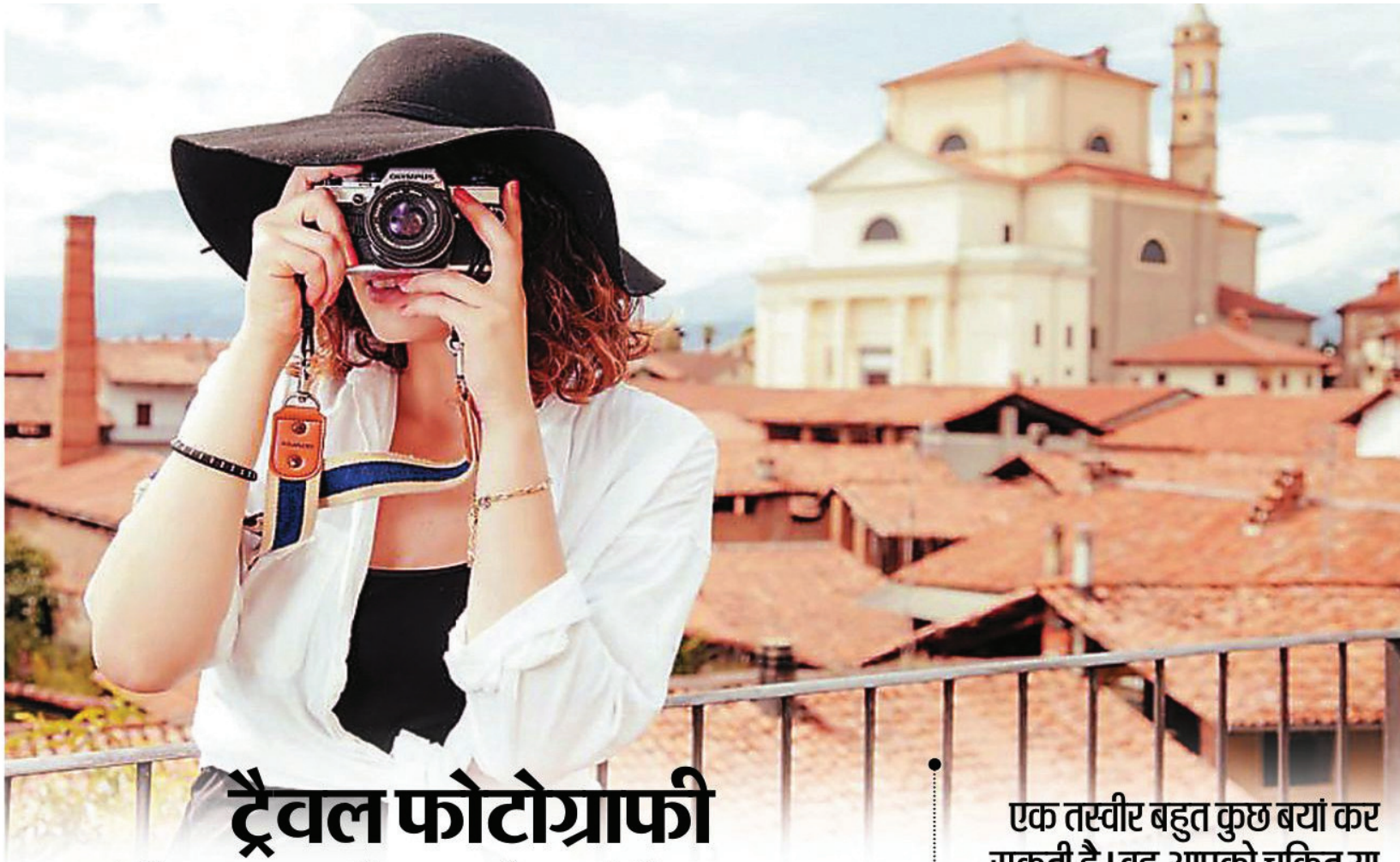
निर्देशक मिलाप जावेरी कॉमेडी ड्रामा फिल्म मस्ती 4 का टीजर रिलीज हो गया है। इस बार फिल्म में चार गुना दोस्ती, मस्ती और कॉमेडी का ब्लास्ट है। टीजर रिलीज के पोस्ट के साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा... पहले की थी मस्ती, फिर हुई ग्रेड मस्ती, फिर ग्रेट ग्रेड मस्ती, अब होगी समस्ती 4। इस बार चार गुना शैतानी, दोस्ती और कॉमेडी धमाका। अब केवल आपके नजदीकी सिनेमाघरों में 21 नवंबर को रिलीज हो रही है। इस फैंचाइज की पहली फिल्म मस्ती पहली बार 2004 में रिलीज हुई। इसके बाद इसके दो सीकल, ग्रेड मस्ती और ग्रेट ग्रेड मस्ती आए। अब रितेश, विवेक और आफताब की मशहूर तिकड़ी वापस आ रही है। इसमें श्रेया शर्मा, रुही सिंह और एलनाज नोरोजी भी हैं। इस फिल्म को जी स्टूडियोज और वेवबैंड प्रोडक्शन ने मारुति इंटरनेशनल और बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ मिलकर बनाया है। से जी स्टूडियोज और वेवबैंड प्रोडक्शन ने मारुति इंटरनेशनल और बालाजी के साथ बनाया है



आपका तरीका क्या है स्क्रिप्ट्स चुनने का

मैं कभी यह नहीं सोचता कि ऑडियंस को क्या चाहिए। जब मैं मटेरियल चुनता हूँ तो देखता हूँ कि यह मुझे कितना टच कर रहा है, मुझे कितना पसंद आ रहा है। एक फिल्म का सफर लगभग 2 साल का होता है और मंजिल तक पहुंचेंगे कि नहीं, यह हमें नहीं पता होता लेकिन सफर अच्छा होना हमारे हाथ में है। इसलिए मैं हमेशा ऐसी फिल्में चुनता हूँ और ऐसी कहानियां उसद करता हूँ जो मुझे सच में छूती हैं।





ट्रैवल फोटोग्राफी कैमरे में कैद करो संसार

जिन युवाओं को नो से पांच इयूटी करने के बजाय कैमरे से देश-दुनिया को एक्सप्लोर करने में आनंद आता है, उनके लिए यह एक परफेक्ट फीलड हो सकता है। आज युवाओं को यह प्रोफेशन काफ़ी अपील कर रहा है।

क्या है ट्रैवल फोटोग्राफी ?

यह फोटोग्राफी का ही एक अंग है, जिसमें किसी खास क्षेत्र के लैंडस्केप, आबादी, संस्कृति, रीति-रिवाज या इतिहास का डॉक्यूमेंटेशन होता है। एक ट्रैवल फोटो वह इमेज होती है, जिसमें हम किसी स्थान या समय की अनुभूति करते हैं, जो किसी इलाके के लोगों, वहां की संस्कृति या प्राकृतिक सौंदर्य से हमारा परिचय कराती है।

एक ट्रैवल फोटोग्राफर देश-दुनिया की सैर कर, अलग-अलग प्रकार की तस्वीरें खींचता है और फिर उन्हें ट्रैवल बुक पब्लिशर्स, पोस्टकार्ड कंपनीज, मैगजीन्स, होटल्स, न्यूजपेपर्स, वेबसाइट्स आदि को बेचता है। वह प्रोफेशनल या एमेच्योर दोनों हो सकता है।

पर्सनल स्किल्स

तस्वीरें खींचने का अपना मजा है लेकिन एक कामयाब ट्रैवल फोटोग्राफर बनने के लिए ट्रैवेलिंग के साथ-साथ फोटोग्राफी का भी पैशन होना चाहिए। आपके अंदर तस्वीरों के जरिए कहानी बयां करने की चाहत होनी चाहिए। आप फील्ड से जुड़ी जितनी जानकारी रखेंगे, उतना बेहतर रहेगा। इंडस्ट्री में आज जिस तरह की प्रतिस्पर्धा है, बुक्स, मैगजीन्स, न्यूजपेपर्स से लेकर ऑनलाइन पोर्टल्स पर विभिन्न फोटोग्राफर्स की उम्दा तस्वीरें देखने को मिलती हैं, उसके महेंजर जब आपका भी काम स्तरीय होगा, तो लोग खुद ही अप्रोच करेंगे। इसलिए काम में परफेक्शन और यूनिकनेस बेहद जरूरी है।

इन पर भी दें ध्यान

ट्रैवल फोटोग्राफर बनने के लिए आपके पास सबसे पहले एक अच्छा डिजिटल कैमरा होना जरूरी है। इसके अलावा, लाइटिंग की समझ होनी चाहिए। रोशनी के साथ चलने और चीजों को

देखने की नजर होनी चाहिए। अगर अपना पोर्टफोलियो और वेबसाइट होगा, तो प्रोफेशनल ग्रोथ मिलने में आसानी होगी। कुल मिलाकर आप जितने क्रिएटिव और टेक्निकली साउंड होंगे, विजुअल्स और कलर में दिलचस्पी रखेंगे, आपका काम उतना ही निखरकर सामने आएगा। एक ट्रैवल फोटोग्राफर को अलग-अलग जगहों की संस्कृति और परंपरा की जानकारी होना जरूरी है।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

आप हायर सेकंडरी या ग्रेजुएशन के बाद फोटोग्राफी से रिलेटेड कोर्स कर सकते हैं। भारत में कई इंस्टीट्यूट्स फोटोग्राफी और ट्रैवल फोटोग्राफी में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री कोर्स कराते हैं। आप चाहें, तो ऑनलाइन रिसर्च करके भी इसके बारे में जरूरी जानकारी हासिल कर सकते हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कई इंस्ट्रक्शनल वीडियोज मौजूद हैं, जिन्हें फॉलो

एक तस्वीर बहुत कुछ बयां कर सकती है। वह आपको चकित या आनंदित कर सकती है। यही नहीं, अगर तस्वीर खींचने वाला यानी फोटोग्राफर कल्पनाशील और क्रिएटिव हो, उसके पास एस्थेटिक सेंस हो, तो वह संसार में मौजूद कई अद्भुत चीजों को कैमरे में कैद कर सकता है। फोटोग्राफी के ही कई स्वरूपों में से एक है ट्रैवल फोटोग्राफी।

कर फोटोग्राफी की बारीकियां सीखी जा सकती हैं।

बहुत है स्कोप

ट्रैवल फोटोग्राफर्स किसी ऑर्गेनाइजेशन के साथ जुड़कर या फ्रीलांसिंग कर अच्छी कमाई कर सकते हैं। अगर आपके पास प्रभावशाली राइटिंग स्किल भी है, तो फोटोग्राफी के साथ-साथ ट्रैवल राइटिंग में भी हाथ आजमा सकते हैं। नेशनल ज्योग्राफिक और आउटलुक ट्रैवलर्स में हमेशा क्वालिटी प्रोफेशनल्स की डिमांड रहती है। इसके अलावा, किसी स्टूडियो में या सीनियर फोटोग्राफर के असिस्टेंट के रूप में भी आप काम शुरू कर सकते हैं।



एडमिशन से पहले करें यह होमवर्क

एडमिशन के लिए अच्छे कॉलेज का चयन करना हर स्टूडेंट के सामने एक कड़ी चुनौती होती है। अगर इस मोड़ पर कोई गलती हो गई, तो पूरा करियर इस गलती की सजा भुगत सकता है। अतः यहां कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इसे आप एडमिशन से पहले का 'होमवर्क' भी कह सकते हैं।



स्टूडेंट को स्वयं को परखना चाहिए कि वह कहां खड़ा है, उसकी इढ़ाई का क्या बैकग्राउंड है। इसके लिए संस्थानों की वेबसाइट देखकर एडमिशन का विवरण समझ लें। फिर स्वयं संस्थान में जाकर पड़ताल करें। प्रत्येक संस्थान के एडमिशन के क्राइटेरिया अलग-अलग होते हैं। उसी आधार पर स्वयं का आकलन कर संस्थान का चयन करें। संस्थान चयन में यह सतर्कता आपकी राह आसान करेगी।

वयन का फॉर्मूला

कैसी भी संस्थान में प्रवेश लेने से पूर्व संस्थान की संबद्धता, मान्यता, मैनेजमेंट, फैकल्टी और वहां पढ़ रहे स्टूडेंट्स से मेलकर वहां के नियम-कायदे को जानना ठीक रहता है। संस्थान चयन में विज्ञापन के मायाजाल से बचने के लिए स्वयं वहां जाकर उसकी गुणवत्ता को परखें और विशेषज्ञ से सलाह-शिविरा जरूर करें। अगर आप इस तरह की जांच-पड़ताल

करते हैं, तो आप बेहतर संस्थान के काफ़ी करीब पहुंच सकते हैं।

जानें मान्यता

आप जिस भी संस्थान में पढ़ाई करने का निर्णय करने जा रहे हैं, उससे पहले बेहतर होगा कि आप जान लें कि उस संस्थान की मान्यता है भी कि नहीं। अगर है, तो संस्थान की संबद्धता किस आधार पर है। जिस आधार पर मान्यता मिली है, उसकी कसौटी पर वह कितना खरा है। यदि आप ऐसा करते हैं, तो गुमराह होने की संभावना कम हो सकती है।

फैकल्टी है अहम

कैसी भी संस्थान की फैकल्टी का रोल अहम होता है। यदि

फैकल्टी अच्छी है, तो भविष्य भी बेहतर होने के चांसेज बढ़ जाते हैं। इसलिए फैकल्टी को पहली प्राथमिकता देते हुए संस्थान को वरीयता क्रम में फर्स्ट चॉइस में रखें। करियर की दृष्टि से यह जानना महत्वपूर्ण है कि टीचर का बैकग्राउंड क्या है, अर्थात वह किस संस्थान से पास-आउट है। यह सब जानकारी उस संस्थान में पढ़ रहे सीनियर्स से बेहतर कोई नहीं दे पाएगा।



क्लाइंट की इमेज चमकाएंगी आपका करियर

आपकी इमेज ही सब कुछ है, जो पहली बार में दूसरों के सामने आपका इंप्रेशन क्रिएट करती है। हर मौके पर आप हर तरह से परफेक्ट और स्पेशल दिखें, इमेज कंसल्टेंट इसी में आपकी मदद करता है। सेलिब्रिटीज, कॉर्पोरेट्स आदि को इसकी खास जरूरत पड़ती है। आप इससे संबंधित कोर्स और ट्रेनिंग के बाद आसानी से इमेज कंसल्टेंट बन सकते हैं।

क्या है काम ?

इमेज कंसल्टेंट ही इस बात का ध्यान रखता है कि किस अवसर पर किसी सेलिब्रिटी को किस तरह की ड्रेस पहननी है। साथ ही, वह ड्रेस की स्टाइल और कलर, हेयर स्टाइल और एक्सेसरीज भी सिलेक्ट करता है। इमेज कंसल्टेंट को फैशन स्टाइलिस्ट और वॉर्डरोब मैनेजर के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि वह अपने क्लाइंट के लिए हर खास मौके का वॉर्डरोब भी मैनेज करता है। पब्लिक प्लेस में उसका क्लाइंट खुद को कैसे प्रस्तुत करता है, इसके लिए इमेज कंसल्टेंट कम्प्यूनिकेशन स्किल के साथ बॉडी लैंग्वेज पर भी नजर रखता है।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

इमेज कंसल्टेंट बनने के लिए डिग्री लेवल का कोई कोर्स नहीं है। कुछ संस्थान प्रोफेशनल या एडवांस्ड डिप्लोमा इन इमेज कंसल्टिंग और सर्टिफिकेट कोर्स कराते हैं। इसमें स्टाइल, बॉडी एंड कलर एनालिसिस, वॉर्डरोब मैनेजमेंट की जानकारी आदि दी जाती है। वहीं कुछ संस्थान इमेज कंसल्टेंट्स का सर्टिफिकेट लेवल का ट्रेनिंग प्रोग्राम प्रोग्राम भी चलाते हैं।

चाहिए ये स्किल्स

इमेज कंसल्टेंट बनने के लिए लेटेस्ट फैशन की जानकारी, अच्छी कम्प्यूनिकेशन स्किल के साथ-साथ मजबूत प्रेजेंटेशन स्किल होना चाहिए। मार्केटिंग और सैल्फ प्रमोशन के साथ अलग-अलग संस्कृतियों को पहचानने की स्किल भी होनी चाहिए ताकि क्लचर के अनुसार ही इमेज कंसल्टिंग की जा सके। क्लाइंट की बॉडी लैंग्वेज और कलर की साइकोलॉजिकल समझ के साथ उसकी लाइफस्टाइल के बारे में भी पता होना चाहिए ताकि आप उसे बेहतर लुक दे सकें और क्लाइंट भी कंफर्टबल महसूस कर सकें।

करियर स्कोप

एयरलाइंस और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर की सफलता एम्प्लॉयीज की बेहतर इमेज पर निर्भर करती है क्योंकि इनके एम्प्लॉयीज यहां आने वाले लोगों से इंटरैक्शन करते हैं। ऐसे में एम्प्लॉयीज में बेहतर इंटरैक्शन स्किल विकसित करने के लिए इस इंडस्ट्री में इमेज कंसल्टेंट की मांग बढ़ी है। फैशन इंडस्ट्री में मॉडल्स और डिजाइनर्स के पर्सनल इमेज कंसल्टेंट के तौर पर भी अच्छी संभावनाएं हैं। गारमेंट रिटेल इंडस्ट्री भी इमेज कंसल्टेंट्स को नियुक्त कर रही है, जो फैशन बदलने पर कैसे गारमेंट्स खरीदने हैं, क्लाइंट्स को इसकी सलाह देते हैं। एचआर और रिक्रूटमेंट एजेंसी में भी काम कर सकते हैं, ताकि जॉब सीकर्स की एनालिसिस की जा सके और सोर्स कंपनीज को परफेक्ट एम्प्लॉयीज मिल सकें। आप प्राइवेट इमेज कंसल्टेंट, वॉर्डरोब मैनेजर और फैशन एडवाइजर के तौर पर भी जॉब कर सकते हैं।

सैलरी कितनी ?

इमेज कंसल्टेंट की कोई तय सैलरी नहीं है। यह इमेज कंसल्टेंट के वर्क नेचर, अनुभव और क्लाइंट पर निर्भर करती है। खुद की फर्म शुरू करना बेहतर होता है क्योंकि इसके लिए आपको न तो बहुत ज्यादा इनवेस्टमेंट करने की जरूरत पड़ती है और न ही स्टाफ रखने की। आपको खुद ही क्लाइंट की काउंसलिंग करनी होती है। अगर आपके पास आवश्यक स्किल्स हैं, तो मार्केट डिमांड के अनुसार प्रति माह 15,000 से 20,000 रुपये आसानी से कमा सकते हैं।

इमेज कंसल्टिंग बिजनेस इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली इंस्टीट्यूट कैलगरी, मुंबई फर्स्ट इम्प्रेशन, भुवनेश्वर स्टाइलिंग स्टाइल एकेडमी, मुंबई इमेज, स्टाइल एंड एट्रिकेट कंसल्टेंट, गुडगांव	प्रमुख संस्थान
--	-----------------------



ब्लैकिंग न्यूज

प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 07 अक्टूबर को, निजी क्षेत्र के 1022 पदों पर होगी भर्ती
दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग मालवीय नगर चौक दुर्ग में मंगलवार, 07 अक्टूबर 2025 को प्रातः 10.30 बजे से प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। इस प्लेसमेंट कैम्प में किरीस सिक्वोरिटी के 550 पद (सिक्वोरिटी गार्ड, सिक्वोरिटी सुपरवाइजर एवं हाउस कीपिंग स्टाफ), निमिया हर्बल प्राइवेट लिमिटेड के 462 पद (अकाउंट मैनेजर) एवं एसपिरा मैनेजमेंट सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के 10 रिक्त पद कुल 1022 रिक्त पदों हेतु भर्ती प्रक्रिया की जाएगी। उक्त सभी पदों हेतु वेतन 14000 से 25000 रूपए तक है, तथा 8वी, 10वी, 12वी, बी.कॉम., बीबीए/एमबीए (मार्केटिंग मैनेजमेंट) एवं कोई भी स्नातक शैक्षणिक योग्यता धारी आवेदक उक्त प्लेसमेंट कैम्प में सम्मिलित हो सकते हैं। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग से मिली जानकारी अनुसार इच्छुक आवेदक समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण/अंकसूची, पहचान पत्र (मतदाता परिचय पत्र/आधार कार्ड/पैन कार्ड/ड्रायविंग लाइसेंस/राशन कार्ड), रोजगार कार्यालय का पंजीयनपत्रक, छ.ग. निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र समस्त दस्तावेजों की (छायाप्रति) के साथ प्लेसमेंट रोजगार मेला में उपस्थित हो सकते हैं।

रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे में ट्रक चालक से लूट के मामले में नाबालिग समेत चार गिरफ्तार

बलौदाबाजार। रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे में ट्रक चालक से लूट की घटना को एक नाबालिग बालक सहित 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने ट्रक चालक से मोबाइल एवं नगदी रूपए लूट लिया था और फ्फार हो गये थे। पुलिस ने आरोपियों से घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल एक चाकू एवं लूट की रकम जब्त किया है। बता दें कि दिनांक 30.09.2025 को प्रार्थी रणजीत सिंह संधू निवासी तेलीबांधा जिला रायपुर द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि दिनांक 21.09.2025 को रायपुर से माल लोडकर अपने ट्रक क्रमांक सीजी 04 जेडडी 3037 से कोरबा जा रहा था। कि रास्ते में ग्राम ठेकूना ओवरब्रिज के पास ट्रक खराब होने से ट्रक को रोककर रोड किनारे खड़ी करते हुए सुबह होने का इंतजार करते हुए सो रा। दिनांक 22.09.2025 की रात्रि लाभग 3:30 बजे मोटरसाइकिल में 04 आरोपियों द्वारा ट्रक का दरवाजा को ठोककर प्रार्थी को उठाया गया एवं जबरदस्ती अंदर घुसकर प्रार्थी को चाकू दिखाकर उसके पास रखे एक मोबाइल एवं नगदी 250 को लूटकर फ्फार हो गए। फ्फार होने से पहले आरोपियों द्वारा प्रार्थी से उसके मोबाइल में फोन-पे का पिन नंबर पूछ लिया, जिसमें से दिनांक 22.09.2025 को आरोपियों द्वारा 470 खर्चा किया गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध थाना सिमगा में धारा 309(4),3(5),109(1),304(2) बीएनएस 25,27 आर्म्स एक्ट का प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना में लिया। प्रकरण में पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में थाना सिमगा पुलिस द्वारा जांच एवं विवेचना कार्यवाही करते हुए तथा सीसीटीवी फुटेज एवं तकनीकी विश्लेषण के आधार पर प्रकरण में शामिल एक नाबालिग बालक एवं तमेश मानिकपुरी उम्र 36 वर्ष निवासी नया मझाडोर तिफ्फा थाना सिरगिट्टी जिला बिलासपुर,प्रदीप भारद्वाज उम्र 19 वर्ष निवासी नया मझाडोर तिफ्फा थाना सिरगिट्टी जिला बिलासपुर, जयकुमार दिवाकर उर्फ छोटू उम्र 20 वर्ष निवासी तारबहार एफ्फ्फीआई रोड थाना तारबहार जिला बिलासपुर को हिरासत में लिया गया, जिनसे पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा रात के समय ट्रक चालक को चाकू की नोक पर डरा धमकाकर, मोबाइल एवं नगदी रकम लूट कर फ्फार हो जाे जाना स्वीकार किया गया। आरोपियों से घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 10 के 2607, एक चाकू एवं लूट गए रकम 250 जप्त किया गया है। कि प्रकरण में सभी आरोपियों को आज दिनांक 01.10.2025 को विधिगत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।

कैडेट्स को बताए स्वास्थ्य और बचाव के तरीके, यातायात नियमों के पालन की दिलाई शपथ

जगदलपुर। 19 सीजी एनसीसी धरमपुरा द्वारा शहीद गुण्डाधुर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, जगदलपुर में आयोजित 10 दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स को स्वास्थ्य जागरूकता का पाठ पढ़ाया गया। यह शिविर कर्मांडिंग अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल अरुण कांडपाल के निदेशन में आयोजित किया गया है। इस अवसर पर खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. वीरेंद्र ठाकुर ने सभी कैडेटों को संबोधित किया। डॉ. ठाकुर ने बस्तर में सबसे अधिक होने वाली बीमारियों—जैसे सिकल सेल, एनीमिया और मलेरिया—के लक्षण और उनसे बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. ठाकुर ने कैडेट्स से कहा कि छोटी-छोटी सावधानी और सुरक्षा को अपनाते हुए हमें स्वयं की और अपने परिवार को स्वस्थ रखने के साथ-साथ समाज को भी स्वस्थ बनाने में सहयोग प्रदान करना चाहिए। इसके साथ ही कैडेट्स को यातायात सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। कर्मांडिंग अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल अरुण कांडपाल के निर्देशन में चल रहे इस शिविर में जिला बस्तर पुलिस से अधिकारियों ने शिरकत की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डीएसपी यातायात संतोषजैन, निरीक्षक मधुसूदन नाग, और सहा उप निरीक्षक सुदर्शन द्विवेदी अपने अन्य यातायात कर्मचारियों के साथ उपस्थित थे। डीएसपी संतोष जैन ने सभी एनसीसी कैडेटों को यातायात सुरक्षा के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कैडेट्स को स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। श्री जैन ने हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करना स्वयं के साथ-साथ परिवार और समाज की सुरक्षा के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

स्वच्छ, सुंदर, सुनियोजित, सुव्यवस्थित, संस्कारित और सुविधापूर्ण शहर बनाने के लिए करें काम- अरुण साव

स्वच्छ, सुंदर, सुनियोजित, सुव्यवस्थित, संस्कारित और सुविधापूर्ण शहर बनाने के लिए करें काम - अरुण साव

उप मुख्यमंत्री की मौजूदगी में 14 शहरों के बीच करार

स्वच्छता के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत छत्तीसगढ़ के सभी सात शहर एक-एक और शहर की रैंकिंग सुधारने में करेंगे

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव की मौजूदगी में शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने 14 नगरीय निकायों के बीच करार हुआ। इन समझौतों में संबंधित नगरीय निकायों के महापौरों, अध्यक्षों, आयुक्तों और सीएमओ ने हस्ताक्षर किए। केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय की नई पहल

‘स्वच्छ जोड़ी शहर’ के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत छत्तीसगढ़ के सभी सात शहर एक-एक और शहर की रैंकिंग सुधारने में करेंगे

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में आयोजित कार्यक्रम में आरडीएफ ट्रेकिंग पोर्टल, व्हाट्स-अप चैटबॉट तथा स्वच्छता लीग के हिन्दी टूलकिट को भी लॉन्च किया। भारत सरकार के नवीन अभियान स्वच्छ शहर जोड़ी के तहत स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण

स्वच्छोत्सव-2025

स्वच्छ शहर जोड़ी अभियान 'पोर्टल एवं चैट बॉट शहरों की पोषण' और 'अतिथि मिशन हेतु 'आवृत्ति ट्रेकिंग पोर्टल' का अनावरण

में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शहर अपने राज्य के उन शहरों को जो स्वच्छ सर्वेक्षण में अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं, उन्हें अपने अनुभवों का लाभ प्रदान कर स्वच्छता में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित और सहयोग करेंगे। इसके लिए आज मेन्टोर (स्कट्टह्रथह) शहर एवं मेन्टी शहरों द्वारा एमओयू पर हस्ताक्षर करने के साथ ही आगे के

रोडमैप पर विस्तृत चर्चा की गई। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा आज लॉन्च किए गए डिजिटल नवाचार ‘आरडीएफ (ऋद्धह्रद्धह्रदक्ष छद्दह्रद्द1द्क्ष स्रद्धह्रद) ट्रेकिंग पोर्टल’ के द्वारा निकाय स्तर पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुदृढ़ की जाएगी। यह पोर्टल राज्य के सभी नगरीय निकायों में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के

अंतर्गत संचालित मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (स्क्रन्न) केंद्रों से उत्पन्न होने वाले रिफ्युज्ड डिराइड्ड प्पुइल (ऋद्धह्रद्धह्रदक्ष छद्दह्रद्द1द्क्ष स्रद्धह्रद) की आवाजाही के डिजिटल निरीक्षण, निगरानी और विश्लेषण के लिए तैयार किया गया है। आज लॉन्च किए गए व्हाट्स-अप चैटबॉट के माध्यम से नागरिक 851-900-9090 नम्बर पर अब सीधे स्वच्छता संबंधी शिकायतें एवं समस्याएं दर्ज करा सकेंगे। स्वच्छता में नागरिकों की सहभागिता बढ़ाने की दृष्टि से विभाग द्वारा यह चैटबॉट प्रारंभ किया गया है। स्वच्छता अभियान को बढ़ावा देने, लोगों को जागरूक करने तथा साफ-सफाई के महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए विभाग द्वारा स्वच्छता लीग टूलकिट का हिंदी संस्करण तैयार किया गया है।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम में मौजूद महापौरों, अध्यक्षों, निगम आयुक्तों, मुख्य नगर पालिका अधिकारियों तथा ऑनलाइन जुड़े नगरीय निकायों के पदाधिकारियों एवं अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए छत्तीसगढ़ में अच्छा काम हो रहा है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में 115 नगरीय निकायों ने अपनी रैंकिंग सुधारी है। 20 हजार से कम आबादी वाले देश के 100 सबसे साफ-सुथरे शहरों में अकेले छत्तीसगढ़ के 58 शहर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि शहरों में केवल निर्माण ही नहीं करना है, बल्कि उन्हें स्वच्छ, सुंदर, सुनियोजित, सुव्यवस्थित, संस्कारित और सुविधापूर्ण भी बनाना है। इसके लिए जनसहभागिता जरूरी है।

चीजगांव में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया अष्टमी पर्व

साजा। शारदीय नवरात्र पर्व पर मंगलवार को महाष्टमी पर्व पर देवी मंदिरों, सार्वजनिक पंडालों पर मां जगदम्बा आदि शक्ति शैरावाली की पूजा-अर्चना के पश्चात् पंडितों के मंत्रोच्चारण से हवन पूर्णाहुति की गई एवं कन्या पूजन के साथ कन्या भोज का आयोजन किया गया। शीतला माता भवन चौक चीजगांव में स्थापित मां दुर्गा व स्कूल चौक में ज्ञान की देवी मां सरस्वती की महाष्टमी पर्व पर हवन-पूजन पश्चात् दीपहट्ट 4 बजे से कन्या भोज का आयोजन दुर्गा उत्सव समिति के द्वारा कराया गया। माता जस सेवा गीतों के साथ छोटे-छोटे बच्चों के द्वारा झांकी का कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। दुर्गा उत्सव समिति व ग्राम प्रमुख घनश्याम साहू,पंडव हालेश्वर व गजेन्द्र मंडावी, पंडा रामप्रसाद साहू, सुखदेव साहू, सरपंच भगेलाल साहू व सदस्य परदेशी नेताम,तेखन मंडावी,परकट निषाद,मेहतरू साहू, मिट्ठू साहू,अघनू यादव,कृष्णा

साहू,लोकनाथ साहू, दाताराम साहू,खेमू साहू,डेरहा साहू,अकरूल साहू,उभयाराम साहू,डोंगरू साहू,सेवाराम साहू,गैंदराम साहू, बेदराम साहू,लक्ष्मण साहू, मानसिंह साहू, डॉ पीलाराम साहू, मुकेश साहू,पवन साहू, गनपत साहू, बाबूलाल साहू,शिवचरण साहू, बृजलाल साहू, जगदीश साहू, ओंकार साहू,कुमार साहू,सुनील साहू,बलराम साहू, चिंताराम

साहू,नोहरसिंग साहू, कार्तिक साहू, जगमोहन साहू,कुबेर साहू,मनोज निषाद,चेतन साहू,उदयराम यादव,देवसिंग यादव,दशरू यादव, ओमप्रकाश साहू, नीलकंठ साहू,ललित नेताम, टेकराम साहू,राजा राम, तखत सेन,ईश्वर सेन समेत समिति के सभी जनसेवक व ग्राम के श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सोलर प्लांट लगाने पर मिलेगा 1.08 लाख तक अनुदान, लोन की सुविधा भी उपलब्ध

बिजली के बिल से मिलेगी मुक्ति, केंद्र और राज्य सरकार दे रही हैं भारी सब्सिडी

दुर्ग। ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा फरवरी 2024 में ‘प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना’ की शुरुआत की गई। इस योजना के तहत मार्च 2027 तक देश के एक करोड़ घरेलू उपभोक्ताओं की छतों पर सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित करना है, जिससे स्वच्छ, हरित एवं सस्ती बिजली उपलब्ध कराई जा सके। इस योजना के तहत केंद्र सरकार एक से तीन किलोवाट क्षमता तक के सोलर प्लांट लगाने पर 30,000 से 78,000 रुपये तक की सब्सिडी सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में प्रदान कर रही है। राज्य सरकार ने इस योजना की और सशक्त बनाते हुए अतिरिक्त राज्यांश सब्सिडी देने का प्रबन्धान किया है। एक किलोवाट के सोलर प्लांट पर राज्य सरकार की ओर से 15,000 रुपये, दो किलोवाट पर 30,000 रुपये तथा तीन किलोवाट या अधिक क्षमता के प्लांट पर कुल 1.08 लाख रुपये तक की सब्सिडी केंद्र और राज्य सरकार से मिलकर

उपभोक्ताओं को प्रदान की जा रही है। यह राशि सोलर प्लांट की कुल लागत का लगभग 75 प्रतिशत है, जिससे अब आम उपभोक्ताओं के लिए सोलर ऊर्जा अपनाना काफी सुलभ और किफायती हो गया है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ताओं को नेशनल पोर्टल पर जाकर अपनी बिजली उपभोक्ता संख्या और मोबाइल नंबर दर्ज कर पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उपभोक्ता को अपनी सामान्य जानकारी दर्ज करनी होती है और फिर अधिकृत वेंडर का चयन करना होता है। उपभोक्ता ड्रांपडाउन सूची से वेंडर का चयन कर सकता है और यदि वह संतुष्ट न हो तो वेंडर को बदल भी सकता है। वेंडर चयन के पश्चात उपभोक्ता उसके साथ अनुबंध कर कार्य आरंभ कर सकता है। सोलर प्लांट का कार्य पूर्ण होने के बाद वेंडर को कार्य पूर्णता प्रतिवेदन, कंज्यूमर एग्रीमेंट, डीसीआर पैनल की जानकारी और उपभोक्ता के साथ सोलर प्लांट का फोटो पोस्टल पर अपलोड करना होता है। यह जानकारी अपलोड होने के बाद संबंधित बिजली विभाग द्वारा भौतिक निरीक्षण किया जाता है।

माँ जगदंब उत्सव समिति द्वारा निकाली गई माता रानी की चुनरी यात्रा

आयोजन का शानदार दूसरा वर्ष

राजनादगांव। माँ जगदंब उत्सव समिति लक्ष्मी नगर द्वारा माता रानी की चुनरी यात्रा का आयोजन बीते 26 सितंबर शुक्रवार को किया गया। उक्त यात्रा पूर्व पार्श्व गगन आईच के निवास स्थान से निकलकर साई दर्शन नगर से होते हुए माँ पाताल भैरवी मंदिर तक पहुंची थी। जहां पर माता रानी को सुनहरे लाल रँग की चुनरी पूरे श्रद्धा भाव के साथ अर्पित की गई। माता रानी की चुनरी यात्रा में रामकृष्ण नगर वार्ड के वासियों, शहर के गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु इस पुण्य कार्य के भागी बने। उक्त चुनरी यात्रा घुमाल, ढोल – नगाड़े और बजनों के साथ पाताल भैरवी मंदिर नगर तक पहुंची थी। माँ जगदंब उत्सव समिति ने

कार्यक्रम को सफल बनाने श्रद्धालुओं और गणमान्य नागरिकों का धन्यवाद ज्ञापित किया है। कार्यक्रम में माँ जगदंब उत्सव समिति के सदस्य अभिषेक शर्मा, प्रमुख अतिथि पूर्व पार्श्व गगन आईच, राजा ताम्रकार, प्रतीक

वैष्णव, मिहिर ठाकुर, डोमेश साहू, स्पर्श खरे, गोपी साहू, प्रतीक मिश्रा, प्रियांशु गुप्ता, नवीन सोनी, गौरव यादव, राकेश सिंह राजपूत, अनुज साहू, शिव डोंगरे, पंकज यादव, दीपक भारती, कुणाल वैष्णव, मुकेश मिश्रा, शुभम यादव,

अंकित यादव, दुर्गेश साहू, भावेश, अनुराग, अनिरुद्ध आईच, दर्शन शर्मा, गौरव मरकाम, अनिकेत, दिव्यांश, विनय, राजवीर सिंह राजपूत व समस्त वार्ड वासियों सहित महिलाएं, बच्चे एवं युवा शामिल रहे।

खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखता है, बल्कि अनुशासन और टीम भावना को भी मजबूत करता है-विधायक कोर्सेवाड़ा

दुर्ग बना खेल प्रतिभाओं का केंद्र, भिलाई में हुआ क्रीडा महाकुंभ का समापन समारोह
25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता में ऑल ओवर चैम्पियन का खिताब दुर्ग संभाग के नाम

दुर्ग। खेल प्रतिभाओं को निखारने और युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता-2025 का समापन आज एएसएनजी विद्यालय, सेक्टर-4, भिलाई में भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन 25 सितम्बर 2025 से प्रारंभ हुआ था, जिसमें सरगुजा, बस्तर, बिलासपुर, दुर्ग और रायपुर के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन समारोह की अध्यक्षता अहिवारा विधायक श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा ने की। 25वीं राज्य स्तरीय साल क्रीडा प्रतियोगिता में ऑल ओवर चैम्पियन का खिताब दुर्ग संभाग के नाम रहा

अहिवारा विधायक श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा ने सभी प्रतिभागियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए विधायक श्री कोर्सेवाड़ा ने खिलाड़ियों की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि वो विद्यार्थी अपने जिलों में पुरस्कार लेकर पहुंचेंगे, उन्हें न केवल जिला शिक्षा अधिकारी बल्कि पूरा समाज सम्मानित करेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी सक्रिय भागीदारी

के लिए प्रेरित किया और कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखते हैं, बल्कि अनुशासन और टीम भावना को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि हार को कभी अंतिम नहीं मानना चाहिए, बल्कि प्रयास करते रहना चाहिए। प्रयास करने वालों की कभी हार नहीं होती। इस आयोजन के माध्यम से दुर्ग जिले को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की मेजबानी करने का गौरव प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'मन की

बात' कार्यक्रम के माध्यम प्रेरणादायक संदेश देते हैं। प्रधानमंत्री भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए छात्रों को भी जोड़ा है, क्योंकि भारत के विकास की राह शिक्षा और खेलों के समन्वय से होकर ही जाती है। शिक्षा विभाग को उन्होंने ऐसा कारखाना बताया जहां से देश के भविष्य के इंजीनियर, डॉक्टर और पायलट तैयार होते हैं।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता का यह आयोजन न केवल प्रतिभाओं को मंच देने का माध्यम बना, बल्कि युवाओं को स्वस्थ जीवन और सकारात्मक सोच की दिशा में प्रेरित भी किया। विधायक श्री कोर्सेवाड़ा ने बताया कि वे भी शिक्षक रह चुके हैं और उन्होंने अपने कार्यकाल में खेलों को हमेशा महत्व दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर में खेलों की हुई शुरुआत का उल्लेख करते हुए कहा कि आज बस्तर खेल क्षेत्र में एक प्रमुख नाम बना चुका है।

विशिष्ट अतिथि खादी ग्रामोद्योग अग्रध्व्य श्री राकेश पाण्डेय ने भी युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के

लिए सबसे पहले स्वस्थ रहना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जीत और हार जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन असफलता से घबराए बिना आत्मविश्वास के साथ पुनः प्रयास करने से सफलता अवश्य मिलती है।

प्रतियोगिता में फेंसिंग, नेटबॉल, ट्रैक साइक्लिंग, लॉन टेनिस, जूडो और टेबल टेनिस (बालक/बालिका वर्ग) जैसे रोमांचक खेलों का आयोजन किया गया था, जिसमें राज्य भर के युवा खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता में फेंसिंग बालक बालक/बालिका में दुर्ग संभाग ने प्रथम स्थान हासिल किया। इसी क्रम में लॉन टेनिस बालक/बालिका में रायपुर संभाग प्रथम स्थान पर रहा। जूडो बालक 14 वर्ष में दुर्ग संभाग, ऑल ओवर जूडो बालक/बालिका में बस्तर संभाग प्रथम पायदान पर, टेबल टेनिस बालक बिलासपुर संभाग और बालिका में दुर्ग संभाग ने प्रथम स्थान सुरक्षित किया।

ब्रेकिंग न्यूज

ग्राम पंचायत दशपुर में सामुदायिक भवन का लोकार्पण



गरियाबंद। ग्राम पंचायत दशपुर में आज सामुदायिक भवन का लोकार्पण बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के बिद्वानवागढ़ विधानसभा के विधायक जनक ध्रुव जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम जनपद सदस्य राकेश मुरा तथा ग्राम पंचायत दशपुर के सरपंच नरेंद्र कुमार ध्रुव विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही ग्राम पंचायत दशपुर के उपसरपंच एवं पंचगण भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। अतिथियों ने सामुदायिक भवन का लोकार्पण कर निरीक्षण करते हुए कहा कि यह भवन ग्रामीणों की सामाजिक,सांस्कृतिक व शैक्षणिक गतिविधियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा,जहां सामाजिक कार्यक्रम के साथ ग्राम के लोगो को उठने बैठने का स्थान मिलेगा।इस अवसर पर गांव के समस्त ग्रामवासी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और उन्होंने भवन के निर्माण के लिए शासन एवं जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जनदर्शन जनता की उम्मीदें और प्रशासनिक हकीकत

मुंगेली। जनदर्शन की वास्तविकता भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में जनता ही सर्वोच्च शक्ति है। संविधान ने आम नागरिक को अधिकार दिया है कि वह अपनी समस्याओं, मांगों और कठिनाइयों को शासन-प्रशासन के समक्ष रख सके और उसका समयबद्ध निराकरण हो। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर राज्य सरकारों ने विभिन्न जिलों में जनदर्शन जैसी योजनाओं की शुरुआत की।जनदर्शन का उद्देश्य यह है कि आम जनता सीधे जिला प्रशासन, विशेषकर कलेक्टर तक अपनी बात पहुँचा सके। गाँव-गाँव से आए लोग जब कलेक्टर के सामने अपनी समस्याएँ रखते हैं, तो उनमें कहीं न कहीं यह विश्वास झलकता है कि जिले का सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी उनकी बात सुनेगा और न्याय करेगा।

मुंगेली जिले में भी हर सप्ताह कलेक्टोरेट परिसर में जनदर्शन आयोजित होता है। हाल ही में कलेक्टर कुन्दन कुमार ने सैकड़ों नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएँ सुनीं। इनमें राजस्व से जुड़ी त्रुटियों का सुधार, राशन कार्ड से संबंधित गड़बड़ी, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ न मिलना, पेंशन भुगतान में देरी, व्यक्तिगत शौचालय निर्माण, खेतों तक पहुँचने के लिए रास्ते की समस्या जैसी शिकायतें शामिल थीं।कलेक्टर ने इन सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे समयबद्धता और नियमानुसार इनका निराकरण करें। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव की मंशा के अनुरूप जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

गिरदावरी सत्यापन हेतु एण्ण डाउनलोड करें अधिकारी- कलेक्टर सिंह

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्टोरेट सभाकर्म में अधिकारियों की बैठक में समय सीमा प्रकरणों की विभागवार गहन समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने फसल गिरदावरी, मतदाता सूची मिलान, ई-ऑफिस की अद्यतन स्थिति के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीकृत धान उत्पादक कुषकों से वर्तमान खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में फसल गिरदावरी के आधार पर भुइयों साफ्टवेयर में प्रविष्ट एवं एग्रीटेक पोर्टल में डिजिटल क्रॉप सर्वे में धान के रकबे के आधार पर धान उपार्जन का कार्य किया जाएगा। एग्रीटेक के डिजिटल क्रॉप सर्वे में किए गए फसल धान की प्रविष्टियों में से 5 प्रतिशत प्रविष्टियों का रैंडम सत्यापन किया जाना है। इस हेतु जिला स्तरीय गिरदावरी निरीक्षण और तहसीली स्तरीय गिरदावरी निरीक्षण हेतु अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। उक्त सभी अधिकारी-कर्मचारी गिरदावरी सत्यापन हेतु निर्धारित एप्प मोबाइल में डाउनलोड करना सुनिश्चित करें। साथ ही सत्यापन प्रक्रिया की भली-भांति जानकारी प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि जिले में मतदाता सूची मिलान का कार्य अभी 65 प्रतिशत तक ही हुआ है। इसमें और प्रगति लाने की आवश्यकता है। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को मतदाता सूची मिलान हेतु बीएलओ को संबंधित क्षेत्र के घर-घर जाकर सूची मिलान करने निर्देशित करने कहा। उन्होंने जिले में शिक्षकों की युक्तियुक्तकरण के पश्चात् स्कूलों में शिक्षकों की ज्वानिंग स्थिति की जानकारी लेते हुए कहा कि जो शिक्षक अभी तक निर्धारित स्कूल में अपनी ज्वानिंग नहीं दिए हैं, ऐसे शिक्षकों के विरुद्ध जिला शिक्षा अधिकारी कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री सिंह ने कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रक्रिया पर जोर देते हुए कहा कि अब से अधिकारी नई फइल ई-ऑफिस प्रक्रिया के तहत ही बनाएं। ई-ऑफिस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की दिक्कत होने पर जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी से आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त करना सुनिश्चित करें। उन्होंने जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी को ई-ऑफिस संचालन के संबंध में मूलभूत आवश्यक जानकारीयों रूप के माध्यम से शेयर करने के निर्देश दिए। कार्यालय में अधिकारी एवं फईल मूवमेंट करने वाले कर्मचारी की जानकारी सभी विभागों को निर्धारित गूगलशीट में अपलोड करने कहा गया।

नवरात्रि उत्सव ने बनाई दि्वनसिटी में अलग पहचान

जनजागरण दुर्गोत्सव समिति बोरसी का विराट नगर में हुआ नौ कुंडीय हवन,कन्यापूजन व महाभंडारा



दुर्ग। नवरात्र पर्व के अवसर पर विराटनगर बोरसी में जन जागरण दुर्गोत्सव समिति द्वारा 22 सितंबर से आयोजन किया गया, जिसमें देवी स्थापना की गई। एवं 9 दिनों तक भक्ति संध्या, नृत्य प्रतियोगिता,अजय शीतला परिवार अर्जुन्दा के द्वारा जस झांकी की प्रस्तुति, लोक संध्या मंडली रायपुर द्वारा पारंपरिक लोक नृत्य, गरबा प. तियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता,चित्रकला,मंत्रोच्चार प्रतियोगिता,सुआ नृत्य सहित अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शारदीय नवरात्रि पर्व के अष्टमी तिथि मंगलवार को पूर्णाहुति हवन पूजन, कन्या पूजन एवं महा भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ो श्रद्धालुओं ने पूजन कर माता का महाप्रसाद ग्रहण किया। जन जागरण समिति के अध्यक्ष किशोर शर्मा एवं महासचिव महावीर साहू ने बताया कि यह आयोजन पाचवें वर्ष किया गया है

एवं प्रतिवर्ष श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है। शुभ मुहूर्त पर यज्ञ के साथ पूर्ण आहुति और महाआरती हुआ तदुपरांत प्रसाद का वितरण किया गया। महाष्टमी पर माता की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिए वहीं कई श्रद्धालुओं ने महा अष्टमी पर्व पर प्रसाद चढ़ाया गया इसके अतिरिक्त श्रद्धालुओं के द्वारा माता के श्रींगार के विभिन्न सामग्री सहित श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद लिए। यह सिलसिला पूरे नौ दिनों तक चलता रहा। इसी बीच शुभ मुहूर्त में आचार्य कुष्णार्जुन दुबे के सानिध्य पर माता की पूजा अर्चना एवं वैदिक मंत्रों के साथ माता की विशेष पूजा किया गया, तदुपरांत हवन हुआ और पूर्णाहुति के बाद महा आरती की गई। इस नौ दिनों के दौरान प्रतिदिन जस गीत,गरबा नृत्य किया गया इस दौरान श्रद्धालुओं की उपस्थिति बनी रही विधि-विधान पूर्वक पूजा अर्चना कर हवन पूजन किया गया। विसर्जन 2 अक्टूबर गुरुवार के दिन

सुबह गाजे-बाजे के साथ किया जाएगा।समिति के सभी सदस्य निःस्वार्थ भाव से जनजागरण दुर्गोत्सव समिति बोरसी कॉलोनी के सदस्य गण

माता की सेवा की एवं आयोजन को सफल बनाया गया सरक्षक-ए.डी. हिरवानी, श्रीमती सुमति सिन्हा सचिव महावीर साहू सहसचिव – डी आर सिन्हा मनेन्द्र साहू कोषाध्यक्ष – विजय

उपाध्यक्ष – भोले राम साहू, भोज लाल हिरवानी, श्रीमती सुमति सिन्हा सचिव महावीर साहू सहसचिव – डी आर सिन्हा मनेन्द्र साहू कोषाध्यक्ष – विजय

यादव सह कोषाध्यक्ष – राकेश साहू, खिलेश साहू, विनय गजपाल सांस्कृतिक सचिव – शशि कुमार साहू सांस्कृतिक सह सचिव – खिलावन निषाद, हुमन सिंह ध्रुव सांस्कृतिक सचिव (महिला) – श्रीमती हेमलता साहू सांस्कृतिक सह सचिव –श्रीमती गायत्री हिरवानी, श्रीमती खेम साहू, श्रीमती वर्षा बंजारे, श्रीमती पूनम साहू, श्रीमती वर्षा साहू मिडिया प्रभारी-अशीष ठाकुर, अभिषेक साहू ,लंगर प्रभारी – खिलू राम साहू, सुरेश साहू, ओमप्रकाश तितरमारे ,सलाहकार एस एल. यादव सौरभ साहू,लालजी यादव,श्रीमती निर्मला यादव, श्रीमती डामिन टंडन, श्रीमती भुनेश्वरी साहू युवा प्रकोष्ठ विजय गोतम, राहुल साहू , खुशाल साहू (आयुष), प्रवीन यादव, शेलेश देवागन, संजय अष्टकर, बलराम यादव, दिनेश साहू, निखिल साहू , अक्षत ठाकुर सहित समस्त बोरसी वासियों के सहयोग मिला।

आठवें दिवस पर विभीषण शरणागति, सेतबन्ध रामेश्वरम, अंगद रावण संवाद, आरती में विभिन्न समाज हुए शामिल

वर्मा, साहू ,मानिकपुरी, जायसवाल, रजक, केशरवानी एवं देवांगन समाज ने की आरती

भाटापारा। आदर्श राम नाटक मंडली भाटापारा के 106 वर्ष के रामलीला मंचन में आठवें दिवस पर विभीषण शरणागति, सेतुबन्ध रामेश्वरम, अंगद रावण संवाद की जानदार लीला दिखाई गई। जिसमें रावण के द्वारा चरण प्रहार कर विभीषण को अपने राज्य से निकलने के बाद विभीषण ने भगवान की शरण में स्थान लिया, वहीं सेतबन्ध रामेश्वरम के माध्यम से रामेश्वर लिंग स्थापना का महत्व भगवान राम ने बताया और अंगद रावण संवाद की जबरदस्त लीला ने खूब तालियां बटोरी। आठवें दिन भगवान की आरती में मनवा कुर्मि क्षत्रिय समाज, साहू समाज मानिकपुरी समाज, जायसवाल समाज, वैष्णव समाज, रजक समाज, केशरवानी समाज एवं देवांगन समाज के पदाधिकारीगण एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। वर्मा समाज के प्रांतीय अध्यक्ष कश्यप जी ने अपने संबोधन में रामलीला के कलाकारों के अभिनय कला को सराहा, संपूर्ण रामलीला को डिजिटल एवं हार्ड कॉपी में रखने की व्यवस्था की भूरी भूरी प्रशंसा



की उन्होंने युवा पीढ़ी से आह्वान किया कि प्रभु राम के चरित्र को अध्ययन करें। मानिकपुरी समाज के प्रतिनिधि महाबल बघेल ने आज के युवाओं से कहा कि दिन भगवान की आरती में मनवा कुर्मि क्षत्रिय समाज, साहू समाज मानिकपुरी समाज, जायसवाल समाज, वैष्णव समाज, रजक समाज, केशरवानी समाज एवं देवांगन समाज के पदाधिकारीगण एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। वर्मा समाज के प्रांतीय अध्यक्ष कश्यप जी ने अपने संबोधन में रामलीला के कलाकारों के अभिनय कला को सराहा, संपूर्ण रामलीला को डिजिटल एवं हार्ड कॉपी में रखने की व्यवस्था की भूरी भूरी प्रशंसा

वैष्णव समाज के प्रतिनिधि अध्यक्ष श्रीमती अन्नपूर्णा वैष्णव ने कहा कि छत्तीसगढ़ मां कौशल्या की जन्मस्थली है इसलिए रामलीला और भगवान राम का महत्व और बढ़ जाता है। साहू समाज के

प्रतिनिधि श्रीमती सरस्वती साहू ने कहा कि रामलीला का मंचन को देखने के पश्चात युवाओं में निश्चित रूप से बदलाव आएगा और उन्हें धर्म संस्कृति के बारे में पता चलेगा, जिससे समाज का विकास होगा। जनक राम देवांगन, तिलक साहू एवं मोहन केशरवानी ने भी अपना संबोधन दिया। आरती में प्रमुख रूप से उपस्थित लोगों में दीपक टिकरिहा, हरिराम जी, खेमलाल देवांगन, प्रदीप केशरवानी, प्रवीण केशरवानी, राजेंद्र मानिकपुरी, नंदकिशोर वैष्णव, नरेंद्र देवांगन समाज की तरफ से आदर्श राम है नाटक मंडली को राम दरबार के छायाचित्र को भेंट किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय बधिर दिवस के अवसर पर विविध आयोजन

दुर्ग। रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर जिले में 17 सितम्बर 2025 से 02 अक्टूबर 2025 तक विभागीय योजनाओं से आम जनता को लाभान्वित किये जाने के उद्देश्य से सेवा पखवाड़ा दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इसी परिपेक्ष्य में 27 सितम्बर 2025 को जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग दुर्ग के सौजन्य से अन्तर्राष्ट्रीय बधिर दिवस के अवसर पर सेवा पखवाड़ा दिवस का आयोजन विभिन्न स्वेच्छिक शैक्षणिक संस्थाओं को सम्मिलित कर लायंस चेरोटेबल ट्रस्ट प्रयास श्रवण दिव्यांग विद्यालय, जी.ई. रोडसुपेला मिलाई जिला दुर्ग में प्रातः 10 बजे से नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नशामुक्ति थीम पर आधारित विभिन्न खेलकूद सांस्कृतिक प्रतियोगिता



जैसे-ग्लास एकत्रित करना, सिक्का उछालना, ग्लास को फूक मारना, आलू दौड़, करोनो रोग, पैसिल का संतुलन एवं दिव्यांग बच्चों के बीच रंगोली, चित्रकला, संगीत आदि कार्यक्रम का आयोजन विभागीय मान्यता प्राप्त

स्वेच्छिक संस्थाओं के छात्र-छात्राओं के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ तुलसी दिव्य ज्योति नेत्रहरी विद्यालय के एवं दिव्यांग बच्चों के बीच रंगोली, छात्र-छात्राओं द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी पर आधारित लोक गायन के साथ प्रारंभ हुआ, जो अन्त तक गीत-संगीत के

बोरसी हाट-बाजार में निष्क्रिय दुकानदारों का आबंटन निरस्त करने का निर्णय,सिकोला भाठा व नयापारा मार्केट में अवैध व्यापार पर होगी कार्रवाई राजस्व समिति बैठक में बड़े फैसले अब संपत्तिकर और जलकर की होगी अलग अलग वसूली

दुर्ग। नगर पालिक निगम,महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन में निगम की राजस्व समिति की बैठक आज राजस्व प्रभारी शेखर चंद्राकर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में समिति के सदस्यों ने मिलकर निगम की आय बढ़ाने, बाजारों की व्यवस्थाओं को सुधारने और अटल आवास योजनाओं में पारदर्शिता लाने पर चर्चा की। बैठक में सर्वसम्मति से कई अहम निर्णय लिए गए।

बैठक में बताया गया कि निगम की विकास योजनाओं के लिए राजस्व वसूली सबसे महत्वपूर्ण है, लेकिन पर्याप्त अमला (मानवबल) नहीं होने से वसूली प्रभावित हो रही है। इसे बढ़ाने पर जोर दिया गया।

बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णय संयुक्त कर वसूली: संपत्तिकर और जलकर की एकजोड़ी वसूली होगी, वहीं



नल टैक्स की तिमाही वसूली की जाएगी।बाजार व्यवस्था सुधार, बोरसी

हाट-बाजार में निष्क्रिय दुकानदारों का आबंटन निरस्त होगा। सिकोला भाठा व नयापारा मार्केट में दुकानों के बाहर अवैध व्यवसाय करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।फुटकर व्यापारियों के लिए अनुशंसा की गई। प्रभारी शेखर चंद्राकर के अलावा कुलेश्वर साहू, कमल देवांगन, गुमटी स्थापित कर छोटे व्यापारियों को विजयंत पटेल, श्रीमती बनिता यादव, जितू महोबिया, रामचंद्र सेन, श्रीमती सविता साहू और थानसिंह यादव बैठक में उपस्थित रहे।

कब्जाधारियों को बेदखल किया जाएगा और पात्र हितग्राहियों को पुनः आवंटन होगा।मानवबल की मांग डूंग राजस्व वसूली अमले की संख्या बढ़ाने की अनुशंसा की गई। प्रभारी शेखर चंद्राकर के अलावा कुलेश्वर साहू, कमल देवांगन, गुमटी स्थापित कर छोटे व्यापारियों को विजयंत पटेल, श्रीमती बनिता यादव, जितू महोबिया, रामचंद्र सेन, श्रीमती सविता साहू और थानसिंह यादव बैठक में उपस्थित रहे।